वैशाख शुक्ल - 6 | संवत 2082 | वर्ष - 20 | अंक - 274 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » शनिवार » 03-05-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत की तरफ से खेलने का सपना अब भी पहले की तरह बरकरार है : रहाणे

6 जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है

7 फिल्म राम-लीला ने मेरी ज़िंदगी बदल दी : अकांक्षा शर्मा

फर्स्ट टेक

चामराजनगर और रायचूर जिला उपायुक्त कार्यालयों में बम की धमकी मिली

बेंगलूरु। कर्नाटक के चामराजनगर और रायचूर जिलों के उपायुक्त के कार्यालयों में ई–मेल के जरिए बम रखे जाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों कार्यालय परिसरों की गहन तलाशी के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और यह ''एक फर्जी'' धमकी थी। पुलिस के मुताबिक धमकी मिलने के बाद संबंधित उपायुक्तों के कार्यालयों में मौजूद अधिकारियों और आम जनता को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सूर्यास्त 03-05-2025	सूर्योदय 04-05-2025
6:35 बजे	5:57 बजे

BSE	NSE
80,501.99	24,346.70
(+259.75)	(+12.50)

सोना	चांदी
10,126 रु.	98,332 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अलगावी मंसूबे

हिंदू मुस्लिम सिक्ख ईसाई,
सबकी है अपनी पहचान।
सबको यहां बराबर दर्जा,
श्रेष्ठ हमारा है विधान।
जहर घोलने को हैं आतुर,
पाकिस्तान बना शैतान।
शह पाकर सिरफिरे कह रहे,
हमें चाहिए खालिस्तान।।

मोदी ने केरल के विझिनजाम बंदरगाह राष्ट्र को किया समर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया और कहा कि आने वाले वर्षों में इस पोतांतरण केंद्र की क्षमता तीन गुणा हो जाएगी, जिससे दुनिया के कुछ सबसे बड़े मालवाहक जहाज आसानी से यहां आ सकेंगे। प्रधानमंत्री ने 8,686 करोड़ रुपए की परियोजना के चालू होने के बाद अपने भाषण में कहा कि भारत के 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट ऑपरेशन पहले विदेशी बंदरगाहों पर किए जाते थे, जिसके परिणामस्वरूप देश को राजस्व की काफी हानि होती थी। ट्रांसशिपमेंट माल या कंटेनरों को एक जहाज से दूसरे जहाज में अंतिम गंतव्य बंदरगाह तक ले जाने की प्रक्रिया है।

मोदी ने कहा कि यह परिस्थिति अब बदलने जा रही है। उन्होंने कहा कि अब देश का पैसा देश के काम आएगा तथा जो पैसा बाहर जाता था वह केरल और विड़िण्गम के लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि केरल से जहाज लंबे समय से अन्य देशों को माल पहुंचाते रहे हैं, जिससे यह वैश्विक वाणिज्य के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत सरकार आर्थिक शक्ति के इस माध्यम को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा, भारत के तटीय राज्य और बंदरगाह शहर विकसित भारत के विकास के लिए प्रमुख केंद्र बनेंगे। अदाणी पोर्ट्स द्वारा विकसित विड़िण्गम बंदरगाह की प्रशंसा करते हुए मोदी ने कहा कि गुजरात के लोग अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी से निराश हो सकते हैं, जिन्होंने केरल में इतना बड़ा बंदरगाह बनाया है, जबकि वह स्वयं गुजरात से आते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा

भारत की ताकत सिर्फ हथियार नहीं, एकता भी है

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। पहलगाम में पिछले हफ्ते हुए आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को परोक्ष रूप से संदेश देते हुए कहा कि आज भारत की ताकत सिर्फ हमारे हथियार ही नहीं हैं, बल्कि हमारी एकता भी है। उन्होंने कहा कि अमरावती सिर्फ एक शहर नहीं है, बल्कि यह आंध्र प्रदेश को एक विकसित राज्य में बदलने की शक्ति है। उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत राजग सरकार के नेतृत्व वाले इस दक्षिणी राज्य के विकास के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

सुहास शेट्टी हत्याकांड

भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट और हिंसा पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई

मंगलूरु। बीती रात हुए सुहास शेट्टी हत्याकांड के बाद मंगलुरु पुलिस ने शांति और सद्भाव बिगाड़ने के इरादे से सोशल मीडिया पर भड़काऊ और घृणास्पद पोस्ट करने वाले व्यक्तियों और समूहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए दर्जन भर मामले पंजीकृत किए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसके अनुसार बंद के दौरान हुई हिंसा और मारपीट की घटनाओं के संबंध में भी अलग से मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस की एक विज्ञप्ति के अनुसार बाजपे थाना क्षेत्र के किन्निपदावु में सुहास शेट्टी की हत्या के बाद कुछ व्यक्तियों और समूहों ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ और नफरत वाले पोस्ट किए। मंगलुरु के विभिन्न थानों में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने विभिन्न थानों में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कम से कम 12 मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने बताया कि ये मामले यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे मंचों पर किए गए पोस्ट से संबंधित हैं। इन पोस्ट में कथित तौर पर समुदायों के बीच नफरत पैदा करने, धमकियां देने, भड़काऊ या असंवेदनशील टिप्पणी करने का आरोप है। इसके अलावा एक मामला (मंगलूरु उत्तर थाना) दक्षिण कन्नड़ जिले में बंद का आह्वान करने वाले भड़काऊ पोस्ट से भी संबंधित है।

कांग्रेस ने पहलगाम हमले पर पारित प्रस्ताव में कहा

पाकिस्तान को सबक सिखाने का समय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को केंद्र से पाकिस्तान को लगातार आतंक का निर्यात करने के लिए दंडित करने के वास्ते दृढ़ता से काम करने का आग्रह किया और कहा कि यह एक राष्ट्र के रूप में 'पाकिस्तान को सबक सिखाने' के लिए हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति दिखाने का समय है।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय एकता और दृढ़ संकल्प का आह्वान करते हुए देश के सबसे अधिक सुरक्षा वाले क्षेत्रों में से एक में सुरक्षा और खुफिया जानकारी में 'गंभीर चूक' के लिए 'समयबद्ध जवाबदेही' तय करने की जरूरत को भी रेखांकित किया।

विपक्षी दल ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा पारित एक प्रस्ताव में ये बातें कहीं।

सीडब्ल्यूसी की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा महासचिव जयराम रमेश, के सी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

प्रस्ताव में कहा गया, ''यह एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान को सबक सिखाने और आतंकवाद पर निर्णायक रूप से अंकुश लगाने के लिए हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति को प्रदर्शित करने का समय है। इस कायरतापूर्ण हमले के सरगना और अपराधियों को उनके किए की गए अपराध की सजा मिलनी चाहिए।''

प्रस्ताव के अनुसार, कांग्रेस ने सरकार से आग्रह किया कि वह हमारे क्षेत्र में लगातार आतंकवाद का निर्यात करने वाले पाकिस्तान को अलग–थलग करने और दंडित करने के लिए दृढ़ता, रणनीतिक स्पष्टता और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के साथ कार्य करे।

प्रस्ताव में कहा गया, ''हमें पक्षपातपूर्ण विभाजन से ऊपर उठना चाहिए और एक स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि भारत एकजुट है, और टूटेगा नहीं।''

सीडब्ल्यूसी में पारित प्रस्ताव में कहा गया, ''पूरा देश जवाबदेही, जवाबों और न्याय का इंतजार कर रहा है। इस तरह के अक्षम्य उकसावे की स्थिति में, कांग्रेस का मानना है कि यह राजनीति का समय नहीं है, बल्कि एकता, शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का समय है।''

कांग्रेस ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के पीड़ितों के परिवारों को निरंतर नैतिक और संस्थागत समर्थन देने का भी आह्वान किया। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

'हाउस अरेस्ट' को लेकर एजाज खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुंबई/भाषा। वेब शो 'हाउस अरेस्ट' में कथित अश्लील सामग्री को लेकर मुंबई पुलिस ने अभिनेता एजाज खान, निर्माता राजकुमार पांडे और अन्य के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'हाउस अरेस्ट' का प्रसारण उल्लू ऐप पर किया जा रहा था। एजाज इस वेब शो के प्रस्तोता थे। अंबोली पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, बजरंग दल के कार्यकर्ता गौतम रावरिया की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अभिनेता एजाज खान, 'हाउस अरेस्ट' के निर्माता राजकुमार पांडे और उल्लू ऐप के अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारी के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वेब शो में अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया गया है और इसकी आपत्तिजनक सामग्री से महिलाओं की गरिमा का अपमान हुआ है। अधिकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे शो की अश्लील सामग्री के बारे में कई शिकायतें मिली हैं और कई लोगों ने उसे व्यक्तिगत संदेश भेजकर इस बारे में शिकायत करने का आग्रह किया है।

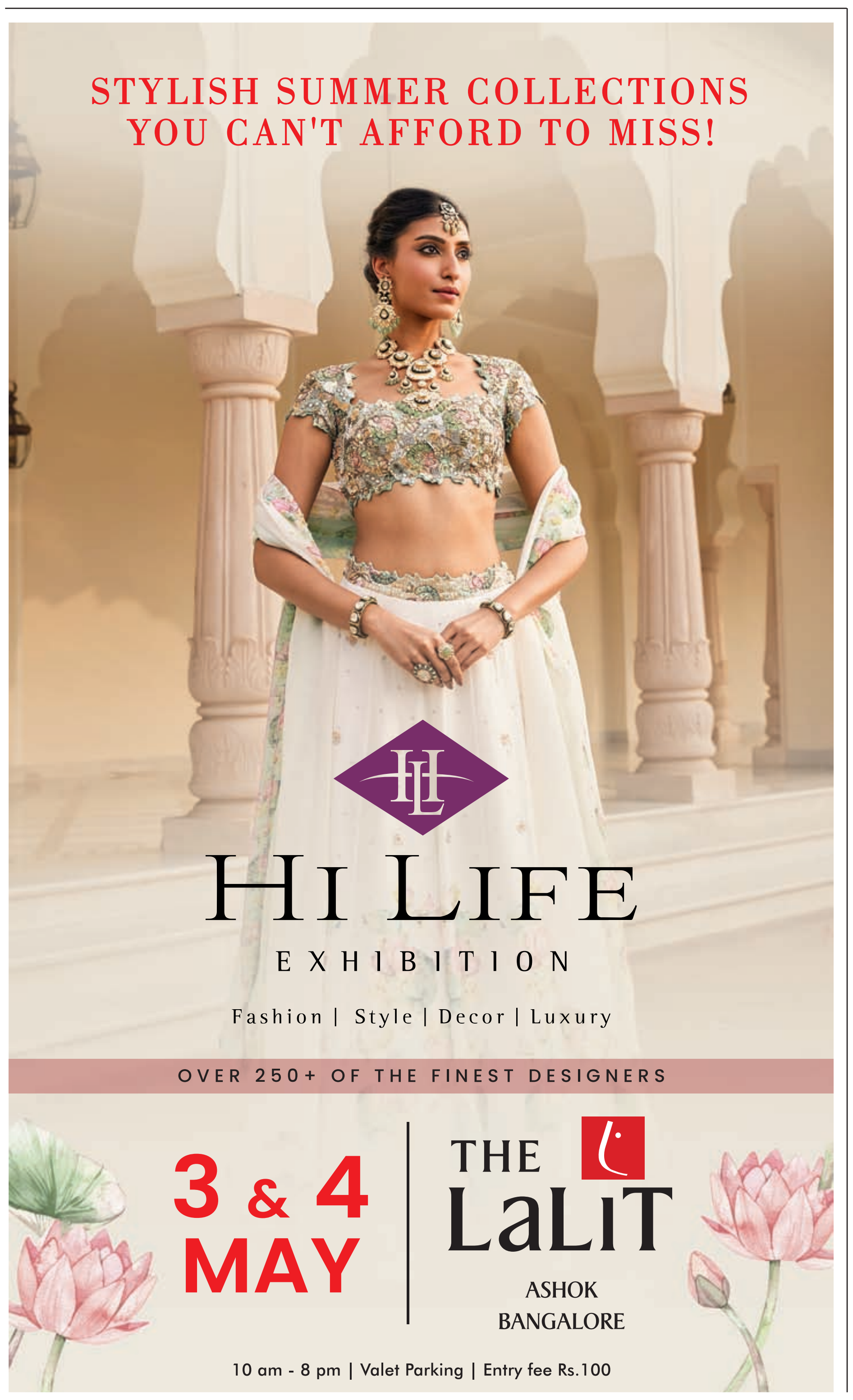

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में आंध्र के पांच करोड़ लोग प्रधानमंत्री मोदी के साथ: मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि राज्य के सभी पांच करोड़ लोग आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री ने अमरावती के निर्माण कार्यों की फिर से शुरुआत किए जाने के दौरान यह बात कही।

नायडू ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हम वचन देते हैं कि हम आतंकवाद पर नकेल कसने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार के हर कदम के साथ खड़े रहेंगे।

नायडू ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आंध्र प्रदेश के पांच करोड़ लोग और पूरा देश उनके साथ हैं। बाद में, नायडू द्वारा लगाये गए 'वंदेमातरम' और 'भारत माता की जय' के नारों से जनसभा गूंज उठी। पहलगाम के बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले में जान गंवाने वाले लोगों में से अधिकांश पर्यटक थे। नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि हाल में जब वह अमरावती पुनर्निर्माण कार्य की फिर से शुरुआत करने के लिए मोदी को आमंत्रित करने नई दिल्ली गए थे, तब उन्होंने पहलगाम हमले का दुख प्रधानमंत्री के चेहरे पर देखा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी आम तौर पर बहुत खुशमिजाज व्यक्ति हैं, लेकिन आतंकी हमले ने उन्हें गंभीर बना दिया है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के एक प्रमुख सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सुप्रीमो ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'सही समय पर भारत के लिए सही नेता हैं'।

नायडू ने कहा कि आगामी जनगणना में जाति गणना को शामिल करने का केंद्र सरकार का हालिया निर्णय एक निर्णायक कदम साबित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश में 58,000 करोड़ रु. की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां 58,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें नए राजधानी शहर अमरावती का निर्माण फिर से शुरू करना भी शामिल है।

अमरावती आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का ड्रीम प्रोजेक्ट है। उन्होंने दक्षिणी राज्य के विकास में पूर्ण सहयोग देने का भी आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 94 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें राजधानी शहर के संस्थान, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे उन्नयन और रक्षा संबंधी प्रतिष्ठान शामिल हैं।

इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उन्होंने कहा, आज 60,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। ये परियोजनाएं सिर्फ कंक्रीट की संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि ये आंध्र प्रदेश और विकसित भारत की महत्वाकांक्षाओं का मजबूत आधार हैं।

उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत राजग सरकार के 2047 तक राज्य को 2.4 हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का जिक्र करते

हुए कहा, हम सभी जानते हैं कि इंद्रलोक की राजधानी का नाम अमरावती था और अब अमरावती आंध्र प्रदेश की राजधानी है। यह महज संयोग नहीं है। स्वर्णआंध्र के निर्माण के लिए यह एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि स्वर्णआंध्र विकसित भारत के मार्ग को मजबूत करेगा और अमरावती इसके नजरिये को ऊर्जा देगा।

अमरावती सिर्फ एक शहर नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश को एक विकसित राज्य में बदलने की शक्ति है।

मोदी ने कहा, मैं आंध्र प्रदेश की जनता को, और यहां बैठे अपने साथियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आंध्र प्रदेश के विकास के लिए आप मुझे हमेशा अपने साथ पाएंगे।

इसके अलावा, एनटीआर के नाम से लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री एन.टी. रामाराव का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने विकसित आंध्र प्रदेश का सपना देखा था।

मोदी ने कहा, हमें अमरावती, आंध्र प्रदेश को विकासशील भारत का विकास इंजन बनाने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, हमने एनटीआर का सपना पूरा कर दिया है। चंद्रबाबू, भाई पवन कल्याण, हमें यह करना है और हमें ही यह करना है।

अमरावती के निर्माण को फिर से शुरू करने के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री ने 49,000 करोड़ रुपए की 74 परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें विधानसभा, सचिवालय और उच्च न्यायालय भवनों और न्यायिक आवासीय क्वार्टर के साथ-साथ 5,200 परिवारों के लिए आवासीय भवनों का निर्माण शामिल है। उन्होंने बुनियादी ढांचे और बाढ़ शमन परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें नए राजधानी शहर में भूमिगत उपयोगिताओं और उन्नत बाढ़ प्रबंधन प्रणालियों के साथ 320 किलोमीटर लंबा विश्व स्तरीय परिवहन नेटवर्क शामिल है।

विहिप ने एनआरसी बनाने, भारत में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने शुक्रवार को मांग की कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) बनाने की प्रक्रिया शुरू करे और भारत में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजे।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के संयुक्त महासचिव सुरेन्द्र जैन ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द किए जाने के बाद बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक कई वर्षों से भारत में रहते पाए गए, जिनमें से कुछ के पास कथित तौर पर आधार और राशन कार्ड भी मिले हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, विहिप मांग करती है कि राष्ट्रीय नागरिक पंजी बनाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए। जो लोग भारत के अधिकृत नागरिक नहीं हैं, उन्हें वापस भेजा जाए। पाकिस्तानी नागरिकों और उनके मददगार भूमिगत कार्यकर्ताओं को बाहर निकाला जाए। जैन ने मांग की कि केंद्र सरकार राष्ट्रव्यापी जनगणना के साथ-साथ एनआरसी का निर्माण भी शुरू करे। विहिप नेता ने उन खबरों की भी गहन जांच की मांग की जिनमें कहा गया है कि कुछ पाकिस्तानी नागरिकों ने भारत में रहने के दौरान आधार, राशन और मतदाता पहचान पत्र कथित तौर पर हासिल कर लिए हैं।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में निर्वाचन अधिकारियों ने एक पाकिस्तानी नागरिक के दावे के बाद विस्तृत जांच और प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। पहलगाम हमले के मद्देनजर उसे उसके देश वापस भेज दिया गया। इस पाकिस्तानी नागरिक ने दावा किया था कि उसने अपने 17 साल के प्रवास के दौरान भारत में मतदान किया था। जांच का आदेश तब दिया गया जब सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में उस्मा इम्तियाज को यह कहते हुए सुना गया कि वह 2008 से भारत में रह रहा है।

अटारी-वाघा सीमा पर फंसे 21 पाकिस्तानी नागरिकों को अपने देश लौटने की अनुमति मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। भारत सरकार द्वारा देश छोड़ने की समय सीमा समाप्त होने के बाद अटारी-वाघा सीमा पर फंसे लगभग 21 पाकिस्तानी नागरिक शुक्रवार को एकीकृत पारगमन चौकी के जरिये अपने देश में सड़क मार्ग से प्रवेश कर गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए सभी प्रकार के वीजा रद्द करते हुए उन्हें 30 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश दिया था। भारत में अमृतसर और पाकिस्तान में लाहौर के पास स्थित अटारी-वाघा सीमा 30 अप्रैल तक खुली रहने के बाद बृहस्पतिवार को बंद कर दी गई। खबरों के मुताबिक लगभग 70 पाकिस्तानी नागरिक बृहस्पतिवार को सीमा पर फंसे रहे, क्योंकि उनके भारत छोड़ने की समय सीमा एक दिन पहले ही समाप्त हो गई थी।

पाकिस्तान में शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक प्रवेश करने वाले 21 पाकिस्तानी नागरिक एकीकृत जांच चौकी के बाहर सड़कों पर डेरा डाले हुए थे। खबरों के मुताबिक 50 से अधिक पाकिस्तानी नागरिक एकीकृत जांच चौकी के बाहर कतार में खड़े हैं तथा सीमा शुल्क और आव्रजन अधिकारियों की मंजूरी के बाद उन्हें पाकिस्तान में प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह भारत में फंसे अपने नागरिकों को वाघा सीमा के जरिये लौटने की अनुमति जारी रखेगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए स्वीकार किया कि बच्चों सहित कई पाकिस्तानी नागरिक भारतीय सीमा में अटारी सीमा पर फंसे हुए हैं।

प्रवक्ता ने कहा, हमें मीडिया में आई उन खबरों की जानकारी है, जिनमें कहा गया है कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक अटारी में फंसे हुए हैं। यदि भारतीय अधिकारी अपने नागरिकों को अपनी सीमा पार करने की अनुमति देते हैं, तो हम उनके स्वागत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी लौटने के इच्छुक पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वाघा सीमा खुली रहेगी। हालांकि, कुछ अन्य विदेशी नागरिक जिनके पास अपने निजी वाहनों से आने-जाने का वीजा था, उन्हें अभी सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी गई है और वे एकीकृत पारगमन चौकी के पास इंतजार कर रहे हैं।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पहलगाम हमले और जातीय जनगणना पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने शुक्रवार को पार्टी की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक में पहलगाम आतंकवादी हमले से उपजे हालात और आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने संबंधी सरकार के फैसले पर चर्चा की।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा था कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में देश के समक्ष मौजूद दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि सीडब्ल्यूसी पहलगाम हमले के बाद पाक के खिलाफ ठोस कार्रवाई और राष्ट्रीय जनगणना अभियान के तहत जातिगत गणना जल्द कराने के लिए धनराशि आवंटित करने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किए जाने की संभावना है। बैठक में संविधान में संशोधन कर आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाए जाने पर भी संभवत: चर्चा की गई। सीडब्ल्यूसी द्वारा सरकार से आरक्षण से संबंधित अनुच्छेद 15(5) को निजी शिक्षण संस्थानों में लागू करने का आग्रह किए जाने के मुद्दे पर भी बातचीत हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की और इसमें पार्टी की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा एआईसीसी महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल और पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक केंद्र द्वारा यह घोषणा किए जाने के दो दिन बाद हुई है कि अगली जनगणना में जातिगत गणना की जाएगी, जिसमें आजादी के बाद पहली बार जाति विवरण शामिल किया जाएगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर 24 अप्रैल को भी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी और इसने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग वाला एक प्रस्ताव पारित किया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल में कहा था कि 22 अप्रैल को हुए हमले के दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

हिमाचल की कांग्रेस सरकार मुगल शासन वापस लाने पर अड़ी: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर सिरमौर जिले के चूड़धार आने वाले श्रद्धालुओं पर 'कर लगाने' का आरोप लगाया। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कांग्रेस नेतृत्व के इशारे पर हिमाचल प्रदेश में मुगल शासन वापस लाने पर अड़े हुए हैं। राज्य सरकार ने कथित तौर पर चूड़धार घाटी की यात्रा पर आने वाले पर्यटकों पर 20 रुपए से 1,000 रुपए तक का कर लगाया है, जिनमें शिरगुल महाराज मंदिर में दर्शन करने वाले पर्यटक भी शामिल हैं।

स्थानीय लोगों ने दावा किया कि राज्य सरकार का वन्यजीव विभाग 20 अप्रैल से कर वसूल रहा है। भाजपा के आरोप पर हिमाचल सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा, हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार 'मुगलिया शासन' लाने पर अड़ी हुई है। इसने एक बार फिर मंदिर पर कर लगा दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से इस फैसले को वापस लेने की मांग की।

चुनावों से पहले क्या मैंने कृषि ऋण माफी का आश्वासन दिया था : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले उन्होंने कृषि ऋण माफी का कोई आश्वासन नहीं दिया था।

उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस द्वारा महायुति सरकार पर किसानों को ऋण राहत देने के वादे से मुकरने का आरोप लगाने के बाद आई है। भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन ने नवंबर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में 288 में से 230 सीटों पर जीत हासिल की थी। पत्रकारों से बात करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने महायुति सरकार पर चुनावों से पहले किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, किसान मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और किसानों को कुछ राहत प्रदान करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। चुनावों से पहले सरकार ने कई वादे किए थे और आश्वासन दिए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद वह इस पर कुछ नहीं कर रही है। इसलिए, लोगों को लगता है कि उनके साथ धोखा हुआ है। पूर्व मंत्री ने कहा, सरकार कुछ क्षेत्रों में तो बहुत अधिक खर्च कर रही है, लेकिन किसानों की कर्जमाफी पर कोई फैसला नहीं लिया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य की मौजूदा सरकार किसानों को कोई राहत देने के लिए उत्सुक नहीं है। बाद में, जब पत्रकारों ने वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे पवार से थोराट की टिप्पणी के बारे में पूछा, तो उन्होंने इसका सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा, क्या मैंने चुनावों से पहले आपको रिण माफ का आश्वासन दिया था?'' यह उल्लेख किए जाने पर कि यह आश्वासन महायुति गठबंधन ने दिया था, पवार ने जवाब दिया, क्या मैंने यह आश्वासन दिया था? क्या मैंने दिया था?''

'देर आए दुरुस्त आए' : जातिगत गणना पर दिग्विजय सिंह

शिमला/भाषा। कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने जातिगत गणना कराने संबंधी केंद्र सरकार के फैसले का शुक्रवार को स्वागत किया और कहा कि ''देर आए दुरुस्त आए।

यहां एक समीक्षा बैठक में भाग लेने आए सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जातिगत गणना की जोरदार वकालत करते रहे हैं, लेकिन भाजपा ने इसका विरोध किया। सिंह ने कहा, हालांकि, सदबुद्धि का स्वागत है। देर आए दुरुस्त आए। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और इससे सख्ती से निपटा जाएगा। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

जम्मू-कश्मीर: रामबन में भारी बारिश से भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामबन/ जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में शुक्रवार को बादल फटने के कारण हुई भारी बारिश से भूस्खलन के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया गया। यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारी बारिश के कारण चिनाब नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिसके कारण रियासी और अखनूर सेक्टरों के अधिकारियों ने लोगों को नदी के किनारे से दूर रहने की चेतावनी जारी की। यातायात पुलिस अधिकारी ने बताया, बादल फटने के कारण हुई भारी बारिश से अचानक बाढ़ आने के बाद रामबन के चंबा सेरी में भूस्खलन हुआ और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। उन्होंने बताया कि यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे सड़क साफ होने तक यात्रा न करें। अधिकारी ने बताया, कृपया अपनी यात्रा शुरू करने से पहले सड़कों की स्थिति की जांच करें। अधिकारियों के मुताबिक, चंबा सेरी क्षेत्र में बादल फटने के बाद भारी बारिश हुई, जिससे राजमार्ग पर भूस्खलन हुआ और चंबा में भूस्खलन के कारण राजमार्ग अवरुद्ध हो गया। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और राजमार्ग को साफ करने के प्रयास जारी हैं। एनएचएआई परियोजना निदेशक पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि राजमार्ग को साफ करने के लिए तीन मशीनें तैनात की गई हैं।

टीटीडी ने तीर्थयात्रियों के लिए व्हाट्सएप आधारित फीडबैक प्रणाली शुरू की

तिरुपति/भाषा। भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने तीर्थयात्रियों के लिए व्हाट्सएप आधारित फीडबैक प्रणाली शुरू की। मंच का उपयोग करके श्रद्धालु मंदिर की सेवाओं-सुविधाओं जैसे अन्न प्रसादम (श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त भोजन), स्वच्छता, लड्डू प्रसादम (पवित्र मिठाई), सामान रखने की जगह, समग्र अनुभव और अन्य पर प्रतिक्रिया साझा कर सकते हैं। मंदिर निकाय ने विज्ञप्ति में कहा, टीटीडी ने तिरुमला व तिरुपति आने वाले तीर्थयात्रियों से फीडबैक लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए व्हाट्सएप प्रणाली शुरू की है।

अमेरिका से उर्वरक आयात बढ़ाने के उपाय तलाश रहा भारत

भारत और अमेरिका वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने के उद्देश्य से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इस बढ़ते अधिशेष के कारण अमेरिका ने दो अप्रैल को भारत सहित कई देशों के खिलाफ शुल्क लगाने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चीन जैसे देशों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए भारत अमेरिका से उर्वरक आयात बढ़ाने के तरीके तलाश रहा है।

एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसका मकसद अमेरिका के साथ व्यापार असंतुलन को कम करना है।

देश का उर्वरक आयात वित्त वर्ष 2024-25 में 7.16 प्रतिशत घटकर 8.29 अरब डॉलर का रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह आयात 8.92 अरब डॉलर और वित्त वर्ष 2022-23 में 15.32 अरब डॉलर का हुआ था।

अधिकारी ने कहा कि भारत के शीर्ष पांच आयात स्रोत रूस, सऊदी अरब, ओमान, चीन, मोरक्को और अमेरिका हैं।

रूस से इसकी आवक, वित्तवर्ष 2024-25 में 11.18 प्रतिशत घटकर 1.84 अरब डॉलर का रह गया, जबकि इससे पहले 2023-24 में यह 2.07 अरब डॉलर का था। चीन से भी यह 2024-25 में 61.13 प्रतिशत घटकर 0.88 अरब डॉलर रहा जबकि 2023-24 में यह 2.25 अरब डॉलर था।

अमेरिका से आयात भी वित्तवर्ष 2023-24 में 0.039 अरब डॉलर से 27 प्रतिशत घटकर वित्तवर्ष 2024-25 में 0.029 अरब डॉलर रह गया।

अमेरिका ने भारत के साथ बढ़ते व्यापार घाटे (आयात और निर्यात के बीच अंतर) पर चिंता जताई है। पिछले वित्तवर्ष में, अमेरिका को भारत का निर्यात वित्तवर्ष 2023-24 में 77.52 अरब डॉलर के मुकाबले 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया। वित्तवर्ष 2024-25 में आयात 7.44 प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया, जो वित्तवर्ष 2023-24 में 42.2 अरब डॉलर था।

अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष वित्तवर्ष 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर से पिछले वित्तवर्ष में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत और अमेरिका वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने के उद्देश्य से द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इस बढ़ते अधिशेष के कारण, अमेरिका ने दो अप्रैल को भारत सहित कई देशों के खिलाफ शुल्क लगाने की घोषणा की।

हालांकि, नौ अप्रैल को भारत पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क 9 जुलाई तक टाल दिया गया था क्योंकि दोनों देश व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।

भारत अपने कृषि क्षेत्र के लिए उर्वरकों का एक प्रमुख आयातक है। कृषि क्षेत्र देश के लगभग आधे कार्यबल को रोजगार देता है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से भारत वैश्विक व्यापार समीकरण में मजबूत होगा: पनगढ़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोलहवें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने शुक्रवार को कहा कि भारत मौजूदा शुल्क अनिश्चितता की स्थिति से मजबूत होकर उभरेगा। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते से देश वैश्विक व्यापार समीकरण में 'अविश्वसनीय रूप से अनुकूल' स्थिति में होगा। पनगढ़िया ने कहा कि चीन, वियतनाम और कंबोडिया पर अमेरिका के व्यापार प्रतिबंध भारत को वैश्विक व्यापार के लिहाज से अनुकूल स्थिति में लाएंगे। उन्होंने कहा, अमेरिका स्पष्ट रूप से चीन से अलग होना चाहता है। इसलिए अमेरिका-चीन व्यापार संघर्ष बना रहेगा... अमेरिका के भीतर इस भावना का एक लंबा इतिहास रहा है कि चीन ने अनुचित तरीके से काम किया है।

पनगढ़िया ने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर भारत को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, वे अगले तीन महीनों में स्पष्ट हो जाएंगी। उन्होंने कहा, अगर भारत, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर सफलतापूर्वक बातचीत करता है, तो यह भारत को वैश्विक व्यापार समीकरण में अविश्वसनीय रूप से अनुकूल स्थिति में रखेगा।

पनगढ़िया ने कहा कि इससे यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ समझौता करने के लिए रास्ता तैयार होगा।

शुक्रवार को मंगलूरु में सुहास शेट्टी का अंतिम संस्कार के मौके पर विशाल जनसमूह देखने को मिला।

हिंदू कार्यकर्ता की हत्या के बाद दक्षिण कन्नड़ के अधिकांश हिस्सों में बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की बृहस्पतिवार देर शाम की गई हत्या के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ओर से आहूत बंद और जिला प्रशासन की ओर से निषेधाज्ञा लागू होने के बाद दक्षिण कन्नड़ जिला शुक्रवार को पूरी तरह बंद रहा। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कुछ इलाकों में सार्वजनिक परिवहन की बसों पर पथराव किया गया। बंद का असर सुबह से ही दिखने लगा और मंगलूरु शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों जैसे हम्पनकट्टा, सेंट्रल मार्केट, फाल्निर, बल्मट्टा, कंकनाडी, उरवा और अलके में दुकानें सबसे पहले बंद हुईं। फरंगीपेट, बाजपे, उल्लाल, गुरुपुरा, सूरतकल, गंजिमट्ट, किन्निगोली और मुल्की जैसे उपनगरीय क्षेत्रों में भी पूरी तरह से बंद का असर रहा। कुछ संवेदनशील इलाकों में पुलिस को भी दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठान बंद करने का आग्रह करते हुए देखा गया।

कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने भी उपनगरीय क्षेत्रों में अपनी बसों पर पंपवेल और कंकनाडी इलाकों के पास पथराव होने के बाद सेवाएं निलंबित कर दी हैं। ये बसें बेलथांगडी, पुत्तूर, सुलिया और बंटवाल की तरफ से आ रही थीं। निजी बस ऑपरेटरों के एक-दो वाहनों पर भी मुल्की और नंतूर के पास पथराव किया गया जिसके बाद उनका संचालन भी बंद हो गया। डीके बस ओनर्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष अजीज पार्थीपाडी ने कहा कि सड़कों पर कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने के बारे में चालक दल द्वारा सूचित किए जाने के बाद एसोसिएशन को सभी बसें रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। तनाव के चलते सड़कों से ऑटोरिक्शा एवं अन्य सार्वजनिक वाहन भी नदारद हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुलिस अधीक्षक एन. यतीश ने जिले में सभी शराब की दुकानों को बंद करने की सिफारिश की थी जिसके बाद जिला मजिस्ट्रेट और उपायुक्त डॉ. मुल्लई मुहिलन ने जिले के पांच तालुकों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। दूसरी ओर दक्षिण कन्नड़ से सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सुहास शेट्टी हत्याकांड की जांच एनआईए को सौंपने का आग्रह किया है।

इस तनाव के बीच भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र मंगलूरु पहुंच गए हैं और पार्टी सूत्रों ने बताया कि आज शाम वह कार्यकर्ता सुहास शेट्टी के अंतिम संस्कार में भाग लेंगे।

शुक्रवार को चिकमंगलूर में बजरंग दल कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

मंगलूरु में हिंदू कार्यकर्ता की हत्या पर भाजपा ने सिद्दरामय्या सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने हिंदू कार्यकर्ता की हत्या को लेकर राज्य में सिद्दरामय्या नीत कांग्रेस सरकार पर शुक्रवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह राज्य में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने को प्रदर्शित करता है। कुख्यात बदमाश एवं हिंदूवादी कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की बृहस्पतिवार देर शाम मंगलूरु शहर के बाजपे पुलिस थाना क्षेत्र में कुछ अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ने 'एक्स' पर कहा कि सरेआम सड़क पर शेट्टी की नृशंस हत्या यह दिखाती है कि कांग्रेस सरकार के तहत कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह साफ दिखाता है कि कट्टरपंथी तत्व कितने बेखौफ हो गए हैं और कानून से डरे बिना हिंदू कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''इससे भी अधिक परेशान करने वाली बात (मंगलूरु) पुलिस आयुक्त द्वारा यह स्वीकार करना है कि अधिकारियों को सुहास शेट्टी की जान को खतरा होने का पता था फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे पुलिस विभाग और सरकार के भीतर कुछ तत्वों की संभावित मिलीभगत के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।''

भाजपा नेता ने सवाल उठाया, ''क्या हम ऐसी स्थिति देख रहे हैं जहां इन चरमपंथी ताकतों को जानबूझकर मजबूत किया जा रहा है और संरक्षण दिया जा रहा है?'' कर्नाटक में बढ़ते ''उग्रवाद'' और कानून-व्यवस्था के पतन'' पर तत्काल और निर्णायक ध्यान देने का आग्रह करते हुए विजयेंद्र ने आगे आरोप लगाया, हिंदू कार्यकर्ताओं को लगातार निशाना बनाए जाने से यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कांग्रेस सरकार गुपचुप तरीके से राज्य में सुरक्षित पनाहगाह, एक 'मिनी पाकिस्तान' बनाने की खुली छूट दे रही है? शेट्टी के परिजनों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, (मैं) प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति और समर्थन मिले।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने भी राज्य सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन में कर्नाटक में हिंदुओं के लिए कोई जगह नहीं है और उन्होंने ''राज्य में बिगड़ती'' कानून व्यवस्था के लिए गृह मंत्री जी परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, कश्मीर और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद की तरह ही व्यस्त सड़कों पर हिंदुओं की पहचान कर उन्हें मारा जा रहा है। पाकिस्तान के प्रति नरम दिल मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या कर्नाटक में हिंदुओं की हत्या होने पर एकदम चुप हो जाते हैं।

उन्होंने कहा, ''सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री के तौर पर एक बड़ी आपदा से कम नहीं हैं और राज्य की कानून-व्यवस्था उनके हाथों से निकल चुकी है। उन्होंने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। गृह मंत्री जी परमेश्वर को राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।''

भाजपा सांसद ने गृहमंत्री से सुहास शेट्टी हत्याकांड की एनआईए जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु के निकट सुरथकल में जुलाई 2022 में हुई हत्या के एक मामले के मुख्य आरोपी एवं हिंदूवादी कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद दक्षिण कन्नड़ के भाजपा सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने का आग्रह किया है। उन्होंने हत्या में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के अपराधियों की संलिप्तता की आशंका भी जताई और राज्य की कांग्रेस सरकार से भी इस हत्याकांड में पीएफआई की भूमिका की जांच करने की मांग की है।

दक्षिण कन्नड़ से भाजपा सांसद कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने शुक्रवार को कहा कि बृहस्पतिवार की शाम बाजपे में हुई विहिप कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या ने पूरे तटीय कर्नाटक क्षेत्र को झकझोर दिया है और आशंका है कि यह नृशंस कृत्य प्रतिबंधित पीएफआई ने किया है। उन्होंने कहा यह देखते हुए इस मामले की जांच राज्य पुलिस के वश की बात नहीं है और इसकी जांच एनआईए से कराने के आदेश दिये जायें।

सांसद ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज लिखे अपने पत्र में कहा कि यह घटना तटीय कर्नाटक क्षेत्र में बढ़ती अराजकता, कट्टरपंथी इस्लामी और राष्ट्र-विरोधी तत्वों के उभार का हिस्सा है।

चौटा ने इस घटना की तुलना भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण नेट्टारू की लक्षित हत्या से की, जिसे पीएफआई के अपराधियों ने अंजाम दिया था। उन्होंने कहा कि पीएफआई को बाद में केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री से व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया ताकि न केवल अपराधी, बल्कि उनका समर्थन करने वाले और उन्हें वित्तपोषित करने वाले लोगों को भी न्याय के कठघरे में लाया जाना सुनिश्चित हो सके।

मंगलूरु में मारे गए विहिप कार्यकर्ता के परिवार को भाजपा 25 लाख रुपये देगी : प्रदेश अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने मंगलूरु में बेरहमी से मारे गए विश्व हिंदू परिषद् (विहिप) के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी के परिवार को पार्टी की ओर से शुक्रवार को 25 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। विजयेंद्र ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात करके हत्या की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की मांग की। यहां बृहस्पतिवार को बेरहमी से मारे गये विहिप कार्यकर्ता सुहास शेट्टी के परिवार से मिलने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र शुक्रवार को उनके घर पहुंचे।

उन्होंने पीड़ित के लिए पहले से ज्ञात खतरों के बावजूद सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की एवं राज्य के गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने मांग की कि सुहास की हत्या की नैतिक

जिम्मेदारी लेते हुए राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर को तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

विजयेंद्र ने मीडिया से बातचीत में सवाल किया कि, ''प्रदेश के गृह मंत्री कहां हैं, वह तो प्रदेश के गृह मंत्री बनने के काबिल ही नहीं हैं। जिस प्रकार एक के बाद एक हिंदू कार्यकर्ताओं की निर्मम तरीके से हत्या की जा रही है उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए प्रदेश के गृह मंत्री को तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।''

उन्होंने सवाल किया कि जब पुलिस को सुहास शेट्टी पर मंडरा रहे खतरे का पता था तो समय रहते उनकी सुरक्षा के लिए क्यों नहीं कदम उठाये? उन्होंने कहा कि हाल में पहलगांव में आतंकी हमले के बाद राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का बयान सभी ने देखा है और उनके उसी बयान के बाद राष्ट्र विरोधी ताकतों को इस तरह का संबल मिला कि उन्होंने बेरहमी से सुहास की सरेआम हत्या कर दी।

सुहास शेट्टी की बृहस्पतिवार को हुई निर्मम हत्या के बाद मंगलूरु और आसपास के इलाकों में पूरे दिन तनाव व्याप्त रहा जिसके चलते अधिकारियों को दक्षिण कन्नड़ जिले में छह मई तक निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी।

हिंदू संगठनों द्वारा बुलाए गए बंद का व्यापक असर दिखा और बंद के चलते दुकानें बंद रहीं, बसें सड़कों से नदारद रहीं और कई इलाकों में पथराव की घटनाएं सामने आईं।

पुलिस को मंगलूरु हत्याकांड के दोषियों के बारे में जानकारी मिली

मंगलूरु। मंगलूरु पुलिस को बदमाश सुहास शेट्टी की हत्या के दोषियों संबंधी जानकारी मिल गई है और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जल्द कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हितेंद्र आर ने यह जानकारी दी। कुख्यात बदमाश शेट्टी की बृहस्पतिवार देर शाम मंगलूरु शहर के बाजपे पुलिस थाना क्षेत्र में अज्ञात लोगों के एक समूह ने हत्या कर दी थी।

गृह मंत्री जी परमेश्वर के निर्देश पर मंगलूरु पहुंचे हितेंद्र ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने अपराधियों, उनके नामों और उनसे जुड़ी अन्य जानकारी का पता लगा लिया है। उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी। कथित हिंदूवादी कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद तनाव बढ़ने के बीच पुलिस ने शुक्रवार से छह मई तक पूरे शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

कर्नाटक 10वीं कक्षा परिणाम

22 छात्रों को 625 में से 625 अंक, 66.14 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक स्कूल परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड (केएसईएबी) द्वारा शुक्रवार को घोषित 10वीं कक्षा के परिणाम में इस वर्ष 22 विद्यार्थियों ने 625 में से 625 अंक प्राप्त किए जबकि 66.14 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। पिछली बार अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों और पत्राचार के विद्यार्थियों सहित कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 62.34 है, जबकि पिछले वर्ष यह 53 प्रतिशत था। कर्नाटक बोर्ड की 10वीं परीक्षा 21 मार्च से चार अप्रैल तक राज्य भर में 2,818 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इस साल 8,42,173 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 5,24,984 उत्तीर्ण होने में सफल रहे।केएसईएबी के अनुसार, इस वर्ष भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया और परीक्षा में 74 प्रतिशत छात्राएं जबकि 58.07 प्रतिशत लड़के उत्तीर्ण हुए। शहरी विद्यालयों में उत्तीर्ण प्रतिशत 67.05 रहा, जबकि ग्रामीण विद्यालयों में 65.47 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। सरकारी विद्यालयों में उत्तीर्ण प्रतिशत 62.%, सहायता प्राप्त विद्यालयों में 58.97 प्रतिशत और गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में 75.59 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। दक्षिण कन्नड़ जिले में सबसे अधिक 91.12 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जबकि उडुपी में 89.96 प्रतिशत और उत्तर कन्नड़ जिले ने 83.19 प्रतिशत विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की। कलबुर्गी (42.43 प्रतिशत), विजयपुरा (49.58 प्रतिशत) और यादगीर (51.6 प्रतिशत) जिले में सबसे कम विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए।

मुलाकात

बेंगलूरु में शुक्रवार को केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री, रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

मंत्री शिवानंद पाटिल ने विधायक पद छोड़ा, यतनाल की चुनौती स्वीकार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार में मंत्री शिवानंद पाटिल ने शुक्रवार को बसवाना बागेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि वह विजयपुरा शहर के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की

चुनौती स्वीकार करने के बाद विधायक के रूप में इस्तीफा दे रहे हैं। यतनाल ने पाटिल को उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी।

कपड़ा, गन्ना विकास एवं कृषि विपणन विभाग संभाल रहे पाटिल ने हालांकि विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि उनका इस्तीफा तभी स्वीकार किया जाए, जब यतनाल का इस्तीफा भी मंजूर कर लिया जाए। पाटिल ने अपने इस्तीफे में कहा कि यतनाल ने उन्हें चुनौती दी थी कि वह विजयपुरा सिटी विधानसभा क्षेत्र से विधायक पद से इस्तीफा देकर उनके खिलाफ बसवाना बागेवाड़ी क्षेत्र से चुनाव लड़ें। पाटिल ने कहा, मैंने उनकी (यतनाल की) चुनौती स्वीकार कर ली और चुनाव में उनके खिलाफ लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, इसलिए, मैं बसवाना बागेवाड़ी से विधायक पद से इस्तीफा दे रहा हूं, जिसका मैं प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।

पाटिल ने कहा, इसलिए, मैं आपसे (अध्यक्ष से) अनुरोध करता हूं कि मेरा इस्तीफा तभी स्वीकार करें जब चुनौती के अनुसार बसंगौड़ा पाटिल यतनाल अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दें और उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाए। यतनाल ने 2023 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार के रूप में विजयपुरा शहर क्षेत्र से जीत हासिल की थी। भाजपा ने हाल ही में यतनाल को बार-बार अनुशासन का उल्लंघन करने के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया था।

अध्यक्ष खादर ने कहा कि पाटिल के इस्तीफे की जांच की जाएगी और संविधान व नियमों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। खादर ने कहा, उन्होंने (पाटिल) यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि यह उनके आत्म सम्मान का सवाल है, क्योंकि उन्हें चुनौती दी गई थी। देखते हैं क्या होता है।

मंत्री शिवानंद पाटिल का विधायक के रूप में 'सशर्त इस्तीफा' स्वीकार्य नहीं : विधानसभा अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर ने शुक्रवार को कहा कि मंत्री शिवानंद पाटिल का विधायक के रूप में 'सशर्त इस्तीफा' नियमों के अनुसार स्वीकार नहीं किया जा सकता। पाटिल के खादर से मुलाकात कर बसवना बागेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में इस्तीफा सौंपने के कुछ घंटों बाद विधानसभा अध्यक्ष ने यह टिप्पणी की। पाटिल ने इस्तीफा सौंपते वक्त कहा था कि वह विजयपुरा शहर के विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल की चुनौती स्वीकार करने के बाद विधायक के रूप में इस्तीफा दे रहे हैं। यतनाल ने पाटिल को उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी।

कपड़ा, गन्ना विकास एवं कृषि विपणन विभाग संभाल रहे पाटिल ने हालांकि विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि उनका इस्तीफा तभी स्वीकार किया जाए, जब यतनाल का इस्तीफा भी मंजूर कर लिया जाए।

खादर ने कहा, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने न तो विधायक पद से इस्तीफा दिया है, न ही उन्होंने इस्तीफा सौंपने के लिए मुझसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की है, और यतनाल का इस्तीफा विधानसभा कार्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है। अध्यक्ष खादर ने कहा, इस संदर्भ में मैंने शिवानंद पाटिल को समझाया कि विधानसभा के नियमों के अनुसार, उनका सशर्त इस्तीफा स्वीकार करना संभव नहीं है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, मैंने शिवानंद पाटिल से कहा कि कर्नाटक राज्य को उनके लंबे अनुभव और उनकी सेवा की आवश्यकता है। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। अध्यक्ष ने इस्तीफे के प्रारूप के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बताया, यह नियमों के अनुसार नहीं है और इसलिए इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

पाटिल ने अपने इस्तीफे में कहा कि यतनाल ने उन्हें चुनौती दी थी कि वह विजयपुरा सिटी विधानसभा क्षेत्र से विधायक पद से इस्तीफा देकर उनके खिलाफ बसवाना बागेवाड़ी क्षेत्र से चुनाव लड़ें। पाटिल ने कहा, मैंने उनकी (यतनाल की) चुनौती स्वीकार कर ली और चुनाव में उनके खिलाफ लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, इसलिए, मैं बसवाना बागेवाड़ी से विधायक पद से इस्तीफा दे रहा हूं, जिसका मैं प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। पाटिल ने कहा, इसलिए, मैं आपसे (अध्यक्ष से) अनुरोध करता हूं कि मेरा इस्तीफा तभी स्वीकार करें जब चुनौती के अनुसार बसंगौड़ा पाटिल यतनाल अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दें और उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाए।

यतनाल ने 2023 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार के रूप में विजयपुरा शहर क्षेत्र से जीत हासिल की थी।

सिद्दरामय्या ने मोदी से आरक्षण की 50 फीसदी सीमा हटाने, निजी क्षेत्र में कोटा लागू करने का किया आग्रह

मंड्या/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संविधान में संशोधन कर आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने और निजी क्षेत्र में कोटा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। सिद्दरामय्या ने केंद्र सरकार से आगामी जनगणना में जातिगत गणना के लिए समय सीमा तय करने की भी मांग की। केंद्र सरकार ने बुधवार को फैसला किया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को ''पारदर्शी'' तरीके से शामिल किया जाएगा। सिद्दरामय्या ने कहा, हमारा यह कहना है कि सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण होना चाहिए और संविधान में संशोधन कर आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को हटाना होगा, क्योंकि इंदिरा साहनी मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

उन्होंने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि यदि आरक्षण 50 प्रतिशत रहेगा तो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को उनकी आबादी के हिसाब से आरक्षण देना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, समतावादी समाज की स्थापना के लिए उन्हें आरक्षण देना जरूरी है। इसलिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह करता हूं कि आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाया जाए, निजी क्षेत्र में आरक्षण दिया जाए और जातिवार गणना के लिए समय सीमा तय की जाए। जातिवार गणना की मांग को लेकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रयासों को रेखांकित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, अब दबाव में आकर केंद्र ने अगली जनगणना में जातिवार गणना के लिए सहमति व्यक्त की है, लेकिन उन्होंने सर्वेक्षण के लिए समय सीमा तय नहीं की है।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सामाजिक न्याय में विश्वास नहीं करते हैं और इसके प्रति उनकी कोई प्रतिबद्धता नहीं है। उन्होंने कहा, यदि आप सौ साल के इतिहास को देखें, तो उन्होंने मैसूर के महाराजा नलवाडी कृष्णराज वाडियार के शासन के दौरान (1919 में) मिलर आयोग गठित किये जाने के समय से ही, हमेशा इसका (आरक्षण) विरोध किया है। आरएसएस का गठन 1925 में हुआ था। सौ साल हो गए हैं, उन्होंने कभी आरक्षण को स्वीकार नहीं किया, लेकिन कांग्रेस की मांग के बाद वे अगली जनगणना में जातिगत गणना के लिए सहमत हो गए हैं।

जाति जनगणना जनता की मांग, मोदी ने किया भावनाओं का सम्मान : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को बीकानेर दौरे के दौरान कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने जातिगत जनगणना, सिंधु जल समझौता और अंबेडकर-अखिलेश फोटो विवाद पर भी अपनी राय रखी। जातिगत जनगणना मामले में मेघवाल ने पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, 2013 में मनमोहन सिंह जब प्रधानमंत्री थे, तब भी जातिगत जनगणना हुई थी, लेकिन आंकड़े क्यों नहीं जारी किए गए? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामाजिक न्याय में विश्वास रखते हैं। वे पिछड़े, वंचित, शोषित और गरीब वर्गों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में जातिगत जनगणना का निर्णय लिया गया है। साल 2013 में लोकसभा में इस मुद्दे पर बीजेपी समेत सभी दलों ने हिस्सा लिया था और व्यापक चर्चा हुई थी।

पहलगाम आतंकी हमले को दुखद बताते हुए मेघवाल ने सिंधु जल समझौते पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, इस पर कई बार बातचीत हुई, विवाद भी हुए। अब प्रधानमंत्री मोदी ने इसे खारिज कर दिया है, जिसके विरोध में पाकिस्तान के सिंध और बलूचिस्तान में प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत सरकार ने जो भी फैसला लिया है, वह देशहित में है। अर्जुन राम मेघवाल ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, अखिलेश यादव ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें एक पोस्टर में उनके चेहरे का आधा हिस्सा बाबासाहेब के चेहरे के आधे हिस्से में मिला हुआ दिखाया गया था। यह बाबासाहेब का घोर अपमान है। हम इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी बाबासाहेब की विचारधारा से बिल्कुल भी मेल नहीं खाती। वे हमेशा से ही आरक्षण के विरोधी रहे हैं। मोदी सरकार सामाजिक समावेशन और विकास के लिए निरंतर काम कर रही है और हम आगे भी करते रहेंगे।

वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने केंद्र सरकार की ओर से जातिगत गणना के फैसले पर राहुल गांधी की ओर से क्रेडिट लिए जाने की कोशिश पर तंज कसा। उन्होंने कहा, जब इन लोगों के पास मौका था, तब इन्होंने जातिगत गणना क्यों नहीं कराई? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हैं और यह जनता की मांग थी, इसलिए केंद्र ने यह फैसला लिया।

राजस्थान में कई जगह बारिश, बाकी हिस्सों में तेज गर्मी

जयपुर। नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में हल्की से भारी बारिश हुई जबकि जोधपुर तथा उदयपुर संभाग में तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते चौबीस घंटे में राज्य में एक दो स्थानों पर भारी वर्षा तथा कहीं कहीं हल्की से मध्यम वर्षा हुई। सबसे अधिक, 77 मिलीमीटर वर्षा कामां (भरतपुर) में दर्ज की गई। इसके विपरीत राज्य के जोधपुर तथा उदयपुर संभाग में भीषण गर्मी का दौर जारी है। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान जैसलमेर में 46.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 5.3 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान बाड़मेर और कोटा में 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार, राज्य में बारिश और आंधी का दौर अभी जारी रहेगा। आज शुक्रवार को भी जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद बादलों की गरज के साथ आंधी आने या हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसी तरह आंधी बारिश की गतिविधियां 3 से 7 मई के दौरान राज्य के कुछ भागों में जारी रहने, तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की कमी आने की उम्मीद है।

विकसित भारत बनाने के लिए नई शिक्षा नीति अहम : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय परंपरा और संस्कृति के अनुसार है और यह नया, विकसित, सर्वश्रेष्ठ और विश्व गुरु भारत बनाने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्राचीन ज्ञान विश्व को आधुनिक दृष्टि प्रदान करने वाला है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी नई शिक्षा नीति के जरिए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के विकास के साथ उनमें रचनात्मक गुण विकसित किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भारत को केवल विकसित राष्ट्र बनाने के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इसके जरिए देश फिर से विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षक और शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि आचार्य वह है जो अपने आचरण से आदर्श प्रस्तुत करे।

राज्यपाल ने आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा-राजस्थान एवं शिक्षा संस्कृतिक उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन में शिक्षक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि नया, विकसित, सर्वश्रेष्ठ और विश्व गुरु भारत बनाने के लिए नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति को बनाने में कई शिक्षाविदों ने योगदान दिया है।

इसमें कहा गया कि शिक्षा नीति सभी तक आसान पहुंच, गुणवत्ता, जवाबदेही जैसे प्रमुख स्तंभों पर विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षक ज्ञान को अपने तक सीमित न रखें, बल्कि इसे विद्यार्थियों तक पहुंचाएं ताकि ज्ञानवान, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का निर्माण हो जो दुनिया में देश का नाम रोशन करें।

राज्यपाल ने कहा कि नया, विकसित, सर्वश्रेष्ठ और विश्व गुरु भारत बनाने में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति को बनाने में कई शिक्षाविदों ने योगदान दिया है। नई शिक्षा नीति भारतीय परंपरा और संस्कृति के अनुसार है। शिक्षा नीति सभी तक आसान पहुंच, गुणवत्ता, जवाबदेही जैसे प्रमुख स्तंभों पर विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षक ज्ञान को अपने तक सीमित न रखें। इसे विद्यार्थियों तक पहुंचाए ताकि ज्ञानवान, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का निर्माण हो जो देश का नाम विश्व में रोशन करें। उन्होंने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का आचरण अच्छा होना चाहिए। विद्यार्थी शिक्षकों को देखकर उनके सामान आचरण करते हैं इसलिए शिक्षक अपने आचरण से विद्यार्थियों को प्रेरित करें। शिक्षक रुचिपूर्ण शब्दों, उदाहरणों, कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों का विषय के प्रति ध्यान आकर्षित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता, शारीरिक क्षमता, नैतिक व भावनात्मक विकास की जिम्मेदारी हम सभी की है।

निर्देश

श्री खाटू श्याम जी मंदिर परिसर में शुक्रवार को स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं के बैठने और दर्शन आदि व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार हेतु दिशा-निर्देश देती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

हनुमान बेनीवाल हिरासत में, एसआई भर्ती परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर छह दिन से बैठे थे धरने पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नागौर से सांसद एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक हनुमान बेनीवाल को शुक्रवार को पुलिस ने उस समय हिरासत में ले लिया जब वह जयपुर में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे थे। वे पिछले छह दिनों से शहीद स्मारक पर राजस्थान की ड्ख भर्ती परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। धरने के छठे दिन बेनीवाल के नेतृत्व में सैकड़ों युवा और पार्टी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने निकले। लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक लिया और हिरासत में लेकर बस्सी भेज दिया। उनके साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों ने भी गिरफ्तारियां दीं।

हिरासत में लिए जाने से पहले हनुमान बेनीवाल ने कहा कि ड्ख भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग 2021 में बीजेपी नेताओं सतीश पूनिया और राजेंद्र राठौड़ ने भी की थी, लेकिन सरकार में आने के बाद वे मौन हैं। ठड्झ युवाओं के हक की लड़ाई लड़ रही है और जब तक परीक्षा रद्द नहीं होगी, आंदोलन जारी रहेगा। आवश्यकता पड़ी तो लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरेंगे। धरने में शामिल युवाओं ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि हम गांवों से आए किसान परिवारों के बच्चे हैं। हमारे माता-पिता कर्ज लेकर हमारी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं, लेकिन जब भर्ती परीक्षा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है, तो हम निराश हो जाते हैं। ऐसे में या तो आत्महत्या करनी पड़ती है या अपराध की ओर जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हनुमान बेनीवाल हमारी आवाज बने हैं, हम उनका अंत तक साथ देंगे। गौरतलब है कि ड्ख भर्ती परीक्षा को लेकर लंबे समय से युवाओं में असंतोष है। अब यह आंदोलन राज्य सरकार के लिए चुनौती बनता जा रहा है।

पाली जिले में सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। राजस्थान के पाली जिले में सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा सुमेरपुर सदर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात करीब सवा तीन बजे ब्यावर-पिंडवाड़ा राजमार्ग पर जाखा नगर बाईपास पर हुआ। थाना प्रभारी भगाराम ने बताया कि मुंबई की तरफ से आ रही एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रैलर से जा टकराई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान सुरेश रावल, उनकी पत्नी सीता व बेटे प्रह्लाद (14) तथा एक रिश्तेदार विष्णु के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि ये लोग जिले के डायलाना कलां गांव लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल अनिता, दिया और हर्षिता का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हादसा संभवत: कार चालक को झपकी आने के कारण हुआ और मामले की जांच की जा रही है।

सिन्धी समाज ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सिन्धी समाज ने भारत के स्वतन्त्रता आंदोलन और विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है । इस समाज ने आजादी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में अनेक तकलीफें,यातनाएँ और दर्द सहन करने के बावजूद अपने त्याग,समर्पण और कठोर परिश्रम और दृढ़ संकल्प से भारत के विकास में अपना अमूल्य योगदान देकर देश की जीडीपी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है । आज भी यह जुझारू समाज अपनी उद्यमशीलता के कारण देश और विदेश में छोटे से बड़े व्यवसाय और उद्योग में भागीदार है।

वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को सायं मुम्बई के निकट ठाणे में फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ सिंधी, ठाणे के तत्वावधान में पोखरण रोड स्थित उपवन झील के निकट आयोजित सुनहरी सिंध 2.0 के भव्य समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहें थे । इसके पहले उन्होंने फीता खोल कर समारोह का उद्घाटन किया। देवनानी कहा कि भारत के विकास में सिंधी समुदाय के योगदान और औद्योगिक आंदोलन में सकारात्मक बदलाव को सभी ने हमेशा सराहा और सम्मानित किया है। हम सभी को सिन्धु संस्कृति और समुदाय का अभिन्न हिस्सा होने का बहुत ही गर्व है ।

देवनानी ने बताया कि उन्होंने अपने राजस्थान के शिक्षा मन्त्री के कार्यकाल में सिन्धी समाज की विभूतियाँ को स्कूल शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल कराया था और वर्तमान में ऐतिहासिक नगर अजमेर में कई स्थानों के उपनिवेशवाद और गुलामी के प्रतीक नामों को बदल कर भारतीय संस्कृति और महापुरुषों के नाम से किया गया है जिसमें अजमेर की प्रसिद्ध फॉयसागर झील का नामकरण अब वरुण सागर कर दिया गया है ।

गौरवशाली सिंधु संस्कृति की चर्चा करते हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि जल के देवता झूलेलाल जी के आशीर्वाद और प्रेरणा से सिन्धी समाज की परम्परायें आज भी अक्षुण्ण है और सिंधी समाज में हेमू कालानी और संत कंवरराम जैसी महान विभूतियाँ हुई है। देवनानी ने भारत के राष्ट्रगान में सिंधु का उल्लेख किया है और बताया है कि कैसे 2200 वर्षों के संघर्ष के बाद यहूदी वापस यरुशलम पहुँचे थे, उसी तरह सिंध भी अखंड भारत का हिस्सा था जो वापस अपना होगा।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने पश्चिम ठाणे की उपवन झील में आयोजित चार दिवसीय सुनहरी सिंध 2.0 के भव्य समारोह में सिंध के इतिहास की सजीव झाँकी के प्रदर्शन के लिए आयोजकों को बधाई दी और कहा कि इससे लोगों को सिंध की जड़ों और सभ्यता एवं संस्कृति को नजदीक से देखने और महसूस करने अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सुनहरी सिंध 2.0 का यह उत्सव सिंधी समुदाय की समृद्ध परम्पराओं और सांस्कृतिक विविधताओं को उजागर करने वाला है।

यह सिंधी संस्कृति के सार को पुनर्जीवित करने और उसे सामने लाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण आयोजन है। इस आयोजन के माध्यम से सिंधी समुदाय के सांस्कृतिक अतीत की सच्ची और सूक्ष्म यादें और सिंधी समुदाय के संघर्ष के बारे में लोगों को अवगत कराने का आयोजकों का प्रयास बहुत ही सराहनीय है । इस अवसर पर देवनानी ने समाज की तीन शख्सियतों ठाणे नगर निगम की पूर्व स्थायी समितियों की अध्यक्ष एवं प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता दादी वीना भाटिया को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। उन्होंने डॉ सतराम मखीजा को सिंधी भाषा सिखाने में योगदान के लिए और मुरली अदनानी को समाज एवं सिंधियत में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया ।

कथा वाचक प्रदीप मिश्रा से शिवमहापुराण कथा सुनने उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विद्याधर नगर स्टेडियम में सात दिवसीय शिवमहापुराण कथा की शुरुआत हुई। कथा के पहले दिन ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। तेज धूप और गर्मी के बावजूद लोग सुबह से ही स्टेडियम पहुंचने लगे। कथा का आयोजन पंडित प्रदीप मिश्रा के सान्निध्य में किया जा रहा है, जो 7 मई तक रोजाना दोपहर एक बजे से शुरू होगी। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पानी, छाया, बैठने और चिकित्सा की समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं। स्टेडियम के बाहर और भीतर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। आयोजन स्थल को फूलों से सजाया गया है, जहां 'हर हर महादेव' के जयघोष गूंजते रहे।

कथा की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण, गणेश पूजन और जलाधिवास अनुष्ठान से हुई। पंडित प्रदीप मिश्रा ने पहले दिन शिव और सती की कथा सुनाई। उन्होंने कथा के माध्यम से शिव भक्ति, संयम और सेवा का संदेश दिया। कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने मंदोदरी द्वारा रावण को शंकर भगवान की आराधना का प्रसंग सुनाया। मंदोदरी ने रावण से भगवान शिव को कुछ भेंट देने की बात कही। इस पर रावण ने मंदोदरी से कहा- देवताओं को वस्तु की चाह हो सकती है, लेकिन महादेव को तो केवल प्रेम की चाह होती है। उन्हें वस्तु से कोई मोह नहीं है।

देवनानी की महाराष्ट्र के राज्यपाल और मंत्रीगण से की शिष्टाचार मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने राधाकृष्णन को पुष्प गुच्छ, राजस्थान विधान सभा में एक वर्ष नवाचारों की पुस्तक, राजस्थान विधान सभा की डायरी, कैलेण्डर व राजस्थान विधान सभा का स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राज्यपाल राधाकृष्णन ने भारतीय नववर्ष के अनुसार प्रकाशित की गई डायरी प्रकाशन की अभूतपूर्व पहल के लिये देवनानी को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय नववर्ष के अनुसार डायरी का प्रकाशन से नई पीढ़ी के लोगों को विक्रम संवत और तिथियों के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

देवनानी की मंत्रीगण से मुलाकातः राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मुंबई में महाराष्ट्र के सूचना एवं प्रोद्योगिकी मंत्री आशीष शैलार और कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा से शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने शैलार और लोढ़ा को पुष्प गुच्छ, राजस्थान विधान सभा में एक वर्ष नवाचारों का पुस्तक, राजस्थान विधान सभा की डायरी, कैलेण्डर व राजस्थान विधान सभा का स्मृति चिन्ह भेंट किया। देवनानी की की शैलार से अजमेर में बन रहे आईटी पार्क के संबंध में चर्चा हुई।

प्राविधिक शिक्षा को रोजगारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाएः मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक बैठक में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, परंतु आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा के तहत राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो

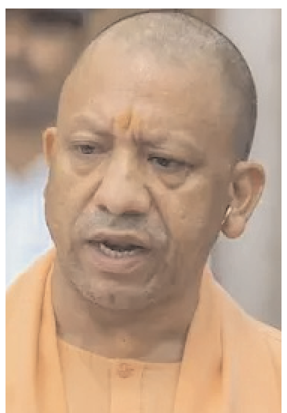

सकें। योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से यह कॉलेज अपने निजी परिसरों से संचालित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करते समय स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं एवं संभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को उद्योगों से और अधिक गहराई से जोड़ा जाए तथा प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण के साथ एक निश्चित अवधि की औद्योगिक इंटर्नशिप सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा शक्ति को तकनीकी रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। शिक्षा केवल प्रमाण-पत्र प्राप्ति का माध्यम न होकर एक व्यवहारिक, कौशलपूर्ण एवं उपयोगी प्रणाली होनी चाहिए।

लखनऊ की अदालत ने 'शाइन ग्रुप' के प्रवर्तक को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया

लखनऊ/भाषा। लखनऊ की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने जमाकर्ताओं के साथ 800 से 1,000 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में शहर स्थित 'शाइन सिटी ग्रुप' के मुख्य प्रवर्तक राशिद नसीम को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह जानकारी दी।

संघीय जांच एजेंसी ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा कि अदालत ने भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए) 2018 की धारा 12 (1) के तहत 30 अप्रैल को आदेश जारी किया। एफईओए का उद्देश्य उन लोगों को न्याय के दायरे में लाना है जो कम से कम 100 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के बाद कानून के शिकंजे से बचने के लिए भारत से भाग गए हैं।

इस आदेश के साथ एजेंसी अब लगभग 128 करोड़ रुपए की संपत्ति को ''जब्त'' करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है, जिसे उसने कंपनी, उसके प्रवर्तकों और अन्य के खिलाफ धनशोधन जांच के हिस्से के रूप में कुर्क किया था। यह जांच धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक मामले से संबंधित हैं।

वायुसेना ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर विमानों को उतारने-उड़ाने का अभ्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने शुक्रवार को दोपहर में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेसवे के साढ़े तीन किलोमीटर लंबे हिस्से पर अपना बहुप्रतीक्षित लैंड एंड गो (विमानों का आगमन और प्रस्थान) अभ्यास किया, जो देश की रक्षा तैयारियों के लिहाज से अहम है।

इस एक्सप्रेसवे की खासियत यह है कि यह लड़ाकू विमानों को दिन और रात दोनों समय में उड़ान भरने की सुविधा प्रदान करता है। अपनी इस अनूठी क्षमता के कारण यह देश में इस तरह की पहली हवाई पट्टी बन गई है। अब तक लखनऊ-आगरा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर विमानों को उतारने और उड़ाने का इस तरह का आपातकालीन अभ्यास किया जा चुका है, लेकिन वे दिन के समय तक ही सीमित थे।

विभिन्न स्कूलों के बच्चे और कुछ स्थानीय लोग भी एक्सप्रेसवे पर विस्मयकारी उड़ान प्रदर्शनों को देखने के लिए एकत्र हुए। इससे पहले जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, इस परीक्षण में राफेल, एसयू-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, जगुआर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस, एएन-32 और एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर सहित भारतीय वायुसेना के कई विमान शामिल हुए। राज्य सरकार के अधिकारियों का मानना है कि अभ्यास की सफलता से यह भी पता चलेगा कि एक्सप्रेसवे आपात स्थिति के दौरान वैकल्पिक रनवे के रूप में काम कर सकता है, जिससे भारतीय वायुसेना का परिचालन संबंधी लचीलापन बढ़ेगा।

पहलगाम हमले के बाद सरकार की ओर से कोई स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आईः खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए सरकार की ओर से कोई स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आई है। हालांकि उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष केंद्र के साथ है। पार्टी के 24, अकबर रोड स्थित कार्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में अपने संबोधन में खरगे ने यह भी कहा कि सरकार ने जातिगत सर्वेक्षण की पार्टी की मांग स्वीकार कर ली है, लेकिन इस फैसले के समय ने 'हमें हैरान कर दिया है'। उन्होंने जाति जनगणना सबंधी फैसले को लेकर सरकार की मंशा पर संदेह जताया और पार्टी नेताओं से कहा कि जातीय सर्वेक्षण के मुद्दे को तार्किक परिणति तक ले जाने के लिए सतर्क रहें।

कांग्रेस अध्यक्ष ने जाति जनगणना कराने के सरकार के फैसले का श्रेय पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को देते हुए कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अगर ''हम लोगों के मुद्दों को ईमानदारी से उठाते हैं, तो सरकार को झुकना पड़ता है''। कांग्रेस कार्यसमिति की पिछली बैठक में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में केंद्र को दिए गए हरसंभव सहयोग के आश्वासन का उल्लेख करते हुए खरगे ने कहा कि पहलगाम हमले के कई दिन बाद भी सरकार की ओर से कोई स्पष्ट रणनीति नहीं आई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से कानपुर में मुलाकात की थी और सरकार से मृतक को शहीद का दर्जा और सम्मान देने की मांग की थी। खरगे ने कहा, देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती के खिलाफ हम एकजुट होकर और सख्ती से काम करेंगे। इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। हमने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है।

ओडिशा सरकार पारादीप में हरित हवाई अड्डा और 14 जिलों में हेलीपोर्ट बनाएगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विमानन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, राज्य सरकार ने बंदरगाह शहर पारादीप में एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा तैयार करने और पुरी में श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास में तेजी लाने और 14 जिलों में हेलीपोर्ट बनाने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को 'विमानन और नेटवर्क निर्माण प्रबंधन' की बैठक में ये निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में पुरी में प्रस्तावित श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एसजेआईए) और राउरकेला हवाई अड्डे के उन्नयन पर चर्चा के अलावा, पारादीप में एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा तैयार करने का निर्णय लिया गया। बैठक में राज्य भर में प्रमुख क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें जयपुर (ओडिशा), डांड़बोस, रंगेइलुंडा, गौतम, सतीभाटा, रायसुआन, तुषार, जमादारपाली, मलकानगिरी, अमर्दा रोड और उत्केला शामिल हैं जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाना है।

असम के मुख्यमंत्री ने बलूचिस्तान में 'न्यायेतर हत्याओं' को लेकर पाकिस्तान की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में ''व्यवस्थित न्यायेतर हत्याएं'' पाकिस्तान के मानवाधिकार रिकॉर्ड के सबसे काले अध्यायों में से एक हैं।

शर्मा ने कहा कि वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) जैसे संगठनों का अनुमान है कि पाकिस्तान के इस प्रांत में 20,000 से अधिक लोग लापता हैं और सैकड़ों शव संदिग्ध और नृशंस परिस्थितियों में बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा, बलूचिस्तान में व्यवस्थित न्यायेतर हत्याएं - जिसे आमतौर पर 'मार डालो और फेंक दो नीति' के रूप में जाना जाता है - पाकिस्तान के मानवाधिकार रिकॉर्ड में

सबसे काले अध्यायों में से एक है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वर्षों से बलूच लोगों ने 'जबरन गायब' किए जाने के इस क्रूर अभियान को झेला है, जहां छात्रों, कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और बुद्धिजीवियों का राज्य एजेंसियों द्वारा अपहरण कर लिया जाता है, यातना दी जाती है और बाद में वे दूरदराज के खड्डों में मृत पाए जाते हैं या उनके शव को सुनसान सड़कों पर फेंक दिया जाता हैं। शर्मा ने आरोप लगाया कि इस तरह का 'अमानवीय कृत्य बलूचिस्तान में राज्य-प्रायोजित आतंकवाद का चेहरा बन गया है जहां परिवार बिना किसी उम्मीद के अपने प्रियजनों के क्षत-विक्षत शव प्राप्त करते हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी ''गंभीर पृष्ठभूमि के खिलाफ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2016 के स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन के दौरान वैश्विक समुदाय द्वारा (बलूचिस्तान के मुद्दे पर) लंबे समय से कायम रखी गई चुप्पी को तोड़ा था। शर्मा ने कहा कि बलूचिस्तान से होकर बहने वाली 'लाल नदियों' का उल्लेख करते हुए उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) न्याय और सम्मान से वंचित लोगों को आवाज दी तथा कहा कि भारत दबे-कुचले और खामोश लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में न केवल नैतिक स्पष्टता थी, बल्कि उनका अंतरराष्ट्रीय महत्व भी था - जिससे उस संकट की ओर ध्यान गया, जिसे पाकिस्तान ने छिपाने की कोशिश की थी।

क्रिकेट किट में हेलमेट की तरह मीडिया और तकनीक को अपनाएंः शास्त्री की खिलाड़ियों को सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान और कोच रवि शास्त्री ने शुक्रवार को 'मीडिया और तकनीक को क्रिकेट किट में हेलमेट की तरह' करार देते हुए खिलाड़ियों को इसे अपनाने की सलाह देते दी और कहा कि इसके बिना खेल पिछले 40-45 वर्षों में जिस तरह विकसित हुआ है, वैसा नहीं होता।

शास्त्री ने कहा कि उनके खेलने के दिनों में केवल दो माध्यम 'रेडियो और दूरदर्शन (टीवी)' थे लेकिन भारतीय टीम के 1983 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट ने एक लंबा सफर तय किया है। इस 62 वर्षीय पूखऊ्र दिग्गज ने यहां 'विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन सम्मेलन (वेव्स)' में 'खेल, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और मीडिया के अंतर्संबंध' पर एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, हमने पहली बार 1983 में विश्व कप जीता था। इसके बाद भारत ने पिछले 40 वर्षों में बहुत सारे टूर्नामेंट जीते हैं। हमने लोगों को सपने दिखाए। उन्होंने कहा, आपको हालांकि समर्थन की जरूरत होती है। यह ऐसा है जैसे आपके किट बैग में पैड हों, आपके किट बैग में क्रिकेट बैट हो, मीडिया किट बैग का हिस्सा है। मीडिया और

प्रौद्योगिकी आपके क्रिकेट बैग में हेलमेट की तरह है; आप इसे खुशी-खुशी अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से प्रौद्योगिकी अब खेल का एक अनिवार्य हिस्सा है और खिलाड़ियों को यह जानना चाहिए कि खुद को विकसित करने के लिए इसका उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने कहा, आपको ऐसे में तकनीक को अच्छे से अपनाना चाहिए। एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) अब बड़े पैमाने पर काम आ रही है। यह आपके लाभ के लिए है। यह टीम के लाभ के लिए है और यह खेल के विकास के लिए है। शास्त्री ने कहा कि पहले किसी ब्रांड से जुड़ाव केवल लोगो (प्रतीक चिन्ह) और विज्ञापन तक ही सीमित रहता था लेकिन कई प्रसारण प्लेटफॉर्म के आने के साथ यह सब बदल गया है। उन्होंने कहा, मैंने इस खेल को विकसित होते देखा है, हर खिलाड़ी इसका हिस्सा रहा है और देखा है कि पिछले 40-45 सालों में खेल कहां पहुंचा है। इस तरह के मंचों बिना खेल उस तरह विकसित नहीं होता जैसा कि हुआ है।

ओडिशा के केआईआईटी में एक और नेपाली छात्रा की मौत, हिमालयी देश केंद्र के संपर्क में

भुवनेश्वर/भाषा। नेपाल ने ओडिशा के भुवनेश्वर एक प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थान में पढ़ने वाली अपने यहां की एक छात्रा की मौत की जांच के लिए कूटनीतिक पहल शुरू कर दी है। हिमालयी देश के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

नेपाली मूल की 18 वर्षीय छात्रा का शव बृहस्पतिवार को कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) के छात्रावास स्थित उसके कमरे में बरामद किया गया। वह यहां बीटेक कंप्यूटर साइंस की छात्रा थी। इसी संस्थान की एक अन्य नेपाली छात्रा प्रकृति लामसाल ने 16 फरवरी को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी और इसके करीब ढाई महीने बाद यह घटना हुई है।

नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत के ओडिशा में केआईआईटी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली नेपाली छात्रा प्रिसा साह अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गईं। इस घटना ने हमें बहुत दुखी कर दिया है। मैं प्रिसा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं और इस दुखद घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।

न्यायालय ने धर्मांतरण पर उप्र के संशोधित कानून के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ''गैरकानूनी धर्मांतरण'' पर उत्तर प्रदेश के 2024 के संशोधित कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर की दलीलों पर गौर किया, जिन्होंने कहा कि 2024 में संशोधित 'उप्र विधि विरुद्ध धर्म

संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम' के कुछ प्रावधान ''अस्पष्ट और अत्यधिक व्यापक'' हैं तथा यह अस्पष्टता अभिव्यक्ति और धर्म के प्रचार की स्वतंत्रता का हनन करती है। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने फिलहाल जनहित याचिका पर नोटिस जारी नहीं किया और कहा कि इस पर 13 मई को अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सुनवाई की जाएगी। शीर्ष अदालत संशोधित कानून के खिलाफ लखनऊ निवासी रूप रेखा वर्मा और अन्य द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। अधिवक्ता पूर्णिमा कृष्ण के मार्फत दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता), 19 (वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता), 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) और 25 (धर्म की स्वतंत्रता) का हनन करता है। याचिका में दावा किया गया है कि अधिनियम की धाराएं 2 और 3 ''अस्पष्ट, अत्यधिक व्यापक और बिना स्पष्ट मानकों वाली'' हैं, जिससे निर्धारित करना मुश्किल हो जाता है कि अपराध क्या है।

भाजपा सरकार में गरीबों, पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों के साथ हर स्तर पर भेदभावः अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि भाजपा सरकार में गरीबों, पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों के साथ हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों के साथ अन्याय हो रहा है और उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है।

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन ने जब से भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति का अंत किया है तब से भाजपा घबराई हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कट्टर समर्थकों का समर्थन बनाए रखने के लिए नफरत की राजनीति कर रही है और इसी के तहत भाजपा सरकार मदरसों के खिलाफ कार्रवाई कर ही है और वक्फ संशोधन कानून लायी है। सपा मुख्यालय में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यादव ने आरोप लगाया कि ''सत्ता में बैठे लोग पीड़ितों को अपमानित कर रहे हैं। गरीबों को सरकारी योजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। जानकारी के अभाव में उन्हें योजनाओं के लिए लखनऊ तक दौड़ना पड़ता है, फिर भी कुछ नहीं मिलता। यादव ने कहा, मैं प्रदेश की जनता को भरोसा दिलाता हूं कि समाजवादी सरकार में जिस तरह से फोन करने पर एम्बुलेंस और पुलिस आती थी, उसी तरह से 2027 में समाजवादी सरकार बनने पर ऐसी व्यवस्था करूंगा कि अधिकारी जनता के पास पहुंचकर सुनवाई करेंगे और न्याय दिलाने का काम करेंगे। सपा

प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश में सबसे ज्यादा अवैध निर्माण भाजपा के लोगों ने किया है, उन्होंने जमीनों पर अवैध कब्जा किया है। उन्होंने कहा कि जनता बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार पर भाजपा से सवाल पूछ रही है। भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति खत्म हो रही है इसलिए वह बौखलाई है और समाज में नफरत फैलाने में जुट गई है। विधानसभा चुनाव 2027 में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) भाजपा को हवा में उड़ा देगा। 2027 में इनकी सरकार चली जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दुष्प्रचार की राजनीति करती है, हिटलर की तरह झूठा प्रचार करते हैं इसलिए भाजपा से सबको सावधान रहना चाहिए। सपा प्रमुख ने कहा, जातिगत जनगणना की मांग को लेकर समाजवादियों ने बहुत लंबी लड़ाई लड़ी है। 90% आबादी वाला पीडीए परिवार जातिगत जनगणना चाहता है। जातीय गणना सामाजिक न्याय की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान की मूल भावना यही है कि सभी जातियों को उनके जनसंख्या के हिसाब से हक और सम्मान मिले। बहुत लंबी लड़ाई के बाद यहां तक पहुंचे हैं।

भारत की तरफ से खेलने का सपना अब भी पहले की तरह बरकरार हैः रहाणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शुक्रवार को कहा कि पिछले दो साल से राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बावजूद भारत की तरफ से खेलने के उनकी इच्छा और भूख पहले की तरह बरकरार है।

इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने आखिरी टेस्ट मैच 2023 में खेला था और वह करीब एक दशक से सीमित ओवरों की टीम से बाहर हैं लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय टीम में वापसी करने को लेकर अभी हार नहीं मानी है।

रहाणे ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम पर कहा, मैं फिर से भारतीय टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मेरी इच्छा, भूख, जज्बा पहले की तरह बरकरार है। मैं अब भी पहले की तरह फिट हूं। मैं एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं और अभी मेरा ध्यान केवल आईपीएल पर है। इसके बाद देखते हैं कि भविष्य में क्या होता है। उन्होंने कहा, मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो कभी हार नहीं मानता। मैं हमेशा मैदान पर

अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। मैं मैदान पर 100 प्रतिशत से अधिक देता हूं। यह उन चीजों से जुड़ा है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मैं घरेलू क्रिकेट भी खेल रहा हूं और इस समय मैं वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं।

रहाणे के लिए गौरव का सबसे बड़ा क्षण शायद 2020-21 का ऑस्ट्रेलिया दौरा था जिसमें उन्होंने चोटों से जूझ रही टीम का नेतृत्व करते हुए भारत को टेस्ट शृंखला में 2-1 से जीत दिलाई थी। इसके बाद वह हालांकि लंबे समय तक भारतीय टीम का हिस्सा नहीं रहे। उन्होंने कहा, हर सुबह जब मैं उठता हूं तो यही सोचता रहता हूं कि मैं कौन से लक्ष्य हासिल करना चाहता हूं। मेरे लिए अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बढ़कर कुछ नहीं है। मैं फिर से भारतीय जर्सी पहनना चाहता हूं। जब कोई टूर्नामेंट नहीं चल रहा होता है तो मैं एक दिन में दो से तीन सत्र तक अभ्यास करता हूं। मुझे लगता है कि अभी मेरे लिए खुद को फिट रखना वास्तव में काफी महत्वपूर्ण है। रहाणे ने कहा, मैं अपने आहार पर भी ध्यान दे रहा हूं। मेरे अंदर भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन की प्रेरणा पहले की तरह बनी हुई है।

संजू सैमसन विवाद पर टिप्पणी के लिए केसीए ने श्रीसंत पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुर/भाषा। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन के बाहर रहने को लेकर हुए विवाद के सिलसिले में उसके खिलाफ कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने पर भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है।

केसीए ने बयान में कहा कि यह फैसला 30 अप्रैल को कोच्चि में उसकी आमसभा की विशेष बैठक में लिया गया। श्रीसंत इस समय केरल क्रिकेट टीम में कोल्लम एरीस टीम के सह मालिक हैं। इससे पहले उनके विवादित बयान के सिलसिले में श्रीसंत, कोल्लम टीम,

अलपुझा टीम लीड और अलपुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। बयान में कहा, फ्रेंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दे दिया लिहाजा उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लेकिन बैठक में तय किया कि टीम प्रबंधन के सदस्यों की नियुक्ति के समय एहतियात बरतने की सलाह दी जायेगी। इसमें यह भी कहा गया कि संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ और दो अन्य के खिलाफ संजू सैमसन का नाम लेकर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए मुआवजे का दावा किया जायेगा। केसीए ने दो बार के विश्व कप विजेता श्रीसंत को एक मलयालम टीवी चैनल पर परिचर्चा के दौरान सैमसन और केसीए से जुड़ी टिप्पणियों के कारण नोटिस जारी किया। केसीए ने बयान में स्पष्ट किया कि नोटिस सैमसन का समर्थन करने के लिए नहीं दिया गया है बल्कि केसीए के खिलाफ भ्रामक और अपमानजनक टिप्पणियां करने पर दिया गया है। श्रीसंत ने टीवी पर सैमसन के प्रति कथित तौर पर समर्थन जताते हुए केसीए पर आरोप लगाये थे। उन्होंने सैमसन और केरल के अन्य खिलाड़ियों का बचाव करने की भी बात कही थी। उन्होंने यह बयान विजय हजारे ट्रॉफी के लिए केरल टीम से सैमसन को बाहर करने को लेकर केसीए की आलोचना के बीच दिया था।

सुविचार

उदासी गहराई देती है। प्रसन्नता ऊंचाई देती है। उदासी जड़ देती है। खुशियाँ शाखाएँ देती हैं। खुशी एक पेड़ की तरह है जो आकाश में जा रही है, और उदासी पृथ्वी के गर्भ में जा रही जड़ों की तरह है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आभासी दुनिया छीन रही सुकून

सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। एक मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने इस वजह से आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसके फॉलोअर्स घटने लगे थे! उस इन्फ्लुएंसर के सामने पूरा जीवन था। उसने अब तक अपनी प्रतिभा के बल पर जो कुछ हासिल किया, वह भी कम नहीं था। उसके 3.59 लाख फॉलोअर्स थे और वह कई ब्रांड्स के लिए काम कर रही थी। आज सोशल मीडिया कई तरह से हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। खासकर युवाओं को यह बात समझनी होगी कि जीवन सिर्फ 'लाइक, शेयर और सब्सक्राइब' का नाम नहीं है। जब सोशल मीडिया नहीं था, तब भी बहुत लोग अपने जीवन में सार्थक काम करते थे। अगर किसी पोस्ट पर कम लाइक आए हैं, उसे लोगों ने ज्यादा शेयर नहीं किया और फॉलोअर्स बढ़ने के बजाय घट रहे हैं तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं कि आप में प्रतिभा का अभाव है। सोशल मीडिया पर लाइक, शेयर, कमेंट आना कई बातों पर निर्भर करता है। अगर किसी का व्यवसाय इससे जुड़ा है तो उसे लगातार नई चीजें सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। चूंकि लोगों की पसंद बदलती रहती है, इसलिए सोशल मीडिया में बदलाव आते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय चलाने वाले व्यक्ति को इन पर नजर रखनी चाहिए। हालांकि हमेशा सोशल मीडिया में ही खोए रहना और दूसरों की उन्नति देखकर हीन भावना का शिकार होना नुकसानदेह हो सकता है।

पश्चिमी देशों में कई लोग सोशल मीडिया के इस्तेमाल को सीमित करने या इससे हमेशा के लिए दूरी बनाने के लिए मनोवैज्ञानिक सलाह ले रहे हैं। अक्सर लोग सोशल मीडिया पोस्ट्स देखकर बेचैनी और मानसिक दबाव महसूस करने लगते हैं। किसी ने इंस्टाग्राम पर फोटो डाली कि 'हम तो स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रहे हैं।' उसे देखकर वे लोग मानसिक दबाव महसूस कर सकते हैं, जो ऐसी जगह नहीं जा सकते। इसी तरह जब कोई व्यक्ति नई कार खरीदकर उसकी फोटो पोस्ट करता है तो उसके परिचितों में ऐसे लोग जरूर होंगे, जो मन ही मन इस बात को लेकर दबाव महसूस करेंगे कि उनके पास भी ऐसी कार होनी चाहिए। जब बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे आते हैं तो कई लोग अपने बच्चों की अंक तालिकाएं सोशल मीडिया पर डालते हैं। उनके अंक देखकर अन्य बच्चों पर वैसा प्रदर्शन करने का दबाव आता है। कई युवाओं में आदत होती है कि वे कपड़े, जूते, मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि चीजें खरीदकर उनकी फोटो सोशल मीडिया पर डालते हैं। इससे अन्य युवाओं के मन में भी ये चीजें खरीदने की इच्छा पैदा होती है। अब ऐसे एआई ऐप आ गए हैं, जो नकली फोटो बनाकर लोगों को भ्रमित कर सकते हैं। उनमें संबंधित व्यक्ति किसी खास प्रॉडक्ट के साथ नजर आएगा, भले ही उसने वह न खरीदा हो! जापान में युवाओं पर काफी दबाव होता है कि वे खास मौकों पर महिला/पुरुष मित्र के साथ नजर आएं। वहां कई युवा इन ऐप के जरिए नकली फोटो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर यह लिखते हुए पोस्ट करते हैं कि हमारे जीवन में भी कोई है। जिन्हें ज्यादा अच्छी फोटो चाहिए, उन्हें पेशेवर फोटोग्राफर सेवाएं देने के लिए तैयार रहते हैं। अमेरिका में एक प्राइवेट जासूस के पास अनोखा मामला आया था। किसी महिला को उसके दफ्तर के पते पर एक अज्ञात व्यक्ति उपहार, फूल, केक, चॉकलेट, कार्ड आदि भेज रहा था। जांच में पता चला कि उन चीजों का ऑर्डर वह महिला ही करती थी, क्योंकि दफ्तर में अन्य लोगों को जन्मदिन, शादी की सालगिरह जैसे मौकों पर सोशल मीडिया पर खूब बधाइयां मिलती थीं, जबकि उसके फॉलोअर्स कम थे। इंटरनेट की आभासी दुनिया जब हमारे वास्तविक जीवन में दखल देने लगती है तो सावधान हो जाना चाहिए। 'रील लाइफ' को 'रियल लाइफ' पर इतना हावी न होने दें कि सुकून ही गायब हो जाए।

ट्वीटर टॉक

नागयालंका में बनने जा रही नवदुर्गा टेस्टिंग रेंज, मां दुर्गा की तरह ही देश की डिफेंस पावर को शक्ति देगी। मैं इसके लिए देश के वैज्ञानिकों को, आंध्र प्रदेश के लोगों को बधाई देता हूं। आज भारत की ताकत सिर्फ हमारे हथियार ही नहीं हैं, बल्कि हमारी एकता भी है।

–नरेन्द्र मोदी

पाली जिले में हुए दो दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसों में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक–संतप्त परिजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

–भजनलाल शर्मा

आज दुनिया में जहाँ कहीं भी ग्रोथ की बातें हो रही हैं, भारत का नाम जरूर आ रहा है। दिल्ली में भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ के 'ओपन सेमिनार 2025' में भागीदारी कर अपनी पॉइंट ऑफ़ व्यू रखा। मोदी के नेतृत्व में विश्व द्वारा स्वीकार्य शानदार विकास के लिए सुरक्षित ज़मीन है।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

ईमानदारी के हीरे

अरब का एक ऊंट व्यापारी अब्दुल ऊंट खरीद कर लाया, जो बहुत सुंदर ढंग से सजाया गया था। अब्दुल ने अपने नौकर को ऊंट की देखभाल के लिए कहा और निर्देश दिया कि उसकी काठी उतारकर उसे आराम करने दिया जाए। जैसे ही नौकर ने काठी उतारी, तो उसके नीचे मखमली कपड़े में लिपटे हुए बहुत सारे हीरे दिखाई दिए। नौकर ने यह बात अब्दुल को बताई। अब्दुल तुरंत वह पोटली लेकर उसके असली मालिक को लौटाने निकल पड़ा। इधर, नौकर हाथ लगे हीरे जाते देखकर बहुत दुखी हुआ। जब अब्दुल ने व्यापारी को जाकर सारा वृत्तांत बताया, तो व्यापारी, जो पहले से ही हीरे खोने के कारण बहुत परेशान था, यह सुनकर अत्यंत प्रसन्न हुआ। उसने अब्दुल को इनामस्वरूप हीरे देने चाहे, लेकिन अब्दुल ने विनम्रता से इनकार कर दिया। व्यापारी ने बहुत आग्रह करते हुए कहा, 'कम से कम एक हीरा तो स्वीकार कीजिए।' इस पर अब्दुल ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, 'मैं पहले ही दो हीरे अपने पास रख चुका हूं।' यह सुनकर व्यापारी थोड़ा नाराज़ हो गया और तुरंत हीरों की गिनती की, लेकिन सारे हीरे पूरे थे। उसने हैरानी से पूछा, 'आपने तो कोई हीरा लिया ही नहीं!' अब्दुल ने उत्तर दिया, 'मैंने दो हीरे'ईमानदारी' और 'आत्म–सम्मान'अपने पास रख लिए हैं। अब मुझे भौतिक हीरों की आवश्यकता नहीं।'

सामयिक

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

प्रेस की स्वतंत्रता समाज के लिए संजीवनी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस है। देश और दुनिया में जनमत निर्माण का कार्य प्रेस यानि मीडिया करता है। प्रेस को आज चौतरफा खतरे का सामना करना पड़ रहा है। कहीं शासन के कोपभाजन का सामना करना पड़ता है तो कहीं राजनीतिज्ञों, बाहुबलियों और अपराधियों से मुकाबला करना पड़ता है। समाज कंटकों के मनमाफिक नहीं चलने का खामियाजा प्रेस को भुगतना पड़ता है। दुनिया भर में प्रेस को निशाना बनाया जा रहा है। रिपोर्टिंग के दौरान मीडियाकर्मी को कहीं मौत के घाट उतारा जाता है तो कहीं जेल की सलाखों की धमकियाँ दी जाती है। मीडिया पर भी आरोप है कि वह अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीकें से निर्वहन नहीं कर पा रहा है। कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने हमारे सामाजिक सरोकारों को विकृत कर बाजारू बना दिया है। बाजार ने हमारी भाषा और रचनात्मक विजन को नष्ट भ्रष्ट करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। ऐसे में प्रेस की चुनौतियों को नए ढंग से परिभाषित करने की जरुरत है। आज सोशल मीडिया ने घर घर में पत्रकार खड़े कर दिए है जो पलक झपकते ही आप तक समाज में घटने वाली घटना ज्यों की त्यों परोस देता है। वह भी बिना लाग लपेट के। इसके अनेक खतरे भी उत्पन्न हो गए है जिससे समाज को लाभ कम और हानि अधिक होने की संभावना व्यक्त की जारही है। आज मीडिया के बेहतर फैलाव के बाद यह महसूस किया जा रहा है कि प्रेस की आजादी कायम रखी जाये मगर साथ ही जिम्मेदारी की भावना का भी निर्वहन किया जावे। समाज के कमजोर और पिछड़े तबके तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया जावे। साम्प्रदायिकता और छदम साम्प्रदायिकता की सचाई से लोगों को अवगत कराया जाये। समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाया जावे। प्रेस की आजादी का मतलब हमारे सामाजिक नव निर्माण से है। प्रेस को अपनी स्वतंत्रता कायम रखते हुए समाज के जन जागरण में अपनी भूमिका तलाशनी होगी। प्रेस की चुनौतियां व्यापक है जिसे चंद शब्दों में बांधा नहीं जा सकता।

प्रेस की स्वतंत्रता समाज के लिए संजीवनी का काम करती हैं। प्रेस समाज का आइना होता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता बुनियादी जरूरत है। मीडिया की आजादी का मतलब है कि किसी भी व्यक्ति को अपनी राय कायम करने और सार्वजनिक तौर पर इसे जाहिर करने का अधिकार है। प्रेस के सामने पहले भी चुनौतियां थीं और आज भी हैं। पत्रकारिता में निर्भीकता एवं निष्पक्षता होनी चाहिए। यह एक गम्भीर व कठिन विषय माना जाता है। पत्रकारिता की मर्यादा बनाये रखना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। भय और पक्षपात रहित पत्रकारिता के मार्ग में बड़ी चुनौतियां है। यह जोखिम भरा मार्ग है जिस पर चलना तलवार की धार पर चलना है। आज पत्रकारिता पर कई प्रकार का दवाब है। निष्पक्ष पत्रकारिता खण्डे की धार हो गयी है। मीडिया घरानों में विभक्त हो गयी है और घराने सत्ता के समक्ष नतमष्तक हो रहे है।

समय के साथ प्रेस का खूब विकास और विस्तार हुआ। प्रिंट से हम लोग इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और वेब मीडिया तक पहुँच गए। प्रिंट मीडिया का महत्व इस बात से और बढ़ जाता है कि आप छपी हुई बातों को एक अरसे के अंतराल के बाद भी संदर्भ के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। प्रिंट मीडिया में जहां हर खबर कई चरणों की जांच पड़ताल के बाद ही प्रकाशित की जाती है वहीं सोशल मीडिया पर वायरल हुई खबर का कोई ठौर ठिकाना नहीं रहता। हमारा समाज आज भी किसी भी खबर की सचाई जानने, विस्तृत जानकारी प्राप्त करने और जागरूकता बढ़ाने में अखबार का सहारा लेते हैं। प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया के बाद अब सोशल मीडिया भी हमारे सामने आया है, लेकिन प्रिंट मीडिया का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। समाचार पत्रों में जो समाचार लोग पढ़ते हैं उसकी छाप उनके दिमाग पर रहती है।

बदलते समय में जहां सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ा है वहीं प्रिंट मीडिया आज भी सबसे महत्वपूर्ण और विश्वसनीय है। संचार क्रांति के दौर में सबसे पहले खबर पहुंचाने की प्रतिस्पर्द्धा में कई बार सही खबर लोगों तक नहीं पहुंच पाती है। ऐसे में जनता को अगले दिन प्रिंट मीडिया में छपी खबर का इंतजार होता है ताकि सचाई जान सके। प्रिंट मीडिया आम से खास लोगों के जीवन का हिस्सा है। इसी से सुबह की शुरुआत होती है। मीडिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है उसकी विश्वसनीयता बनी रहे। विश्वसनीयता और स्वतंत्रता हर क्षेत्र की जरूरत है। इसके अभाव में समाज में अराजकता उत्पन्न होना स्वभाविक है। मीडिया नागरिकों के सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। मगर देखा जाता है मीडिया सत्ता और उसके विरोधी खेमे में बंट कर अपनी विश्वसनीयता को दावं पर लगा देता है जिसका खामियाजा अंततोगत्वा लोकतंत्र को ही उठाना पड़ता है। विश्वसनीयता का कम होना, अखवार बन्द होने से अधिक खतरनाक है। किसी की कठपुतली बनने अथवा अंध समर्थन या विरोध हमारी लोकतान्त्रिक मर्यादाओं को नष्ट करता है जिसे बचना निहायत जरुरी है। किसी निर्दोष को बिना सत्य जाने आरोपित करना पाप के सामान है।

नजरिया

जातिगत जनगणना के विरोधी इसे सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से हानिकारक मानते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जातिगत जनगणना से समाज में जातिगत तनाव और ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर समूहों में बांट सकता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाती है, जिसके दुरुपयोग की आशंका रहती है। यदि यह डेटा गलत हाथों में पड़ता है, तो यह सामाजिक भेदभाव को और बढ़ा सकता है।

जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है

संदीप सृजन
मोबाइल : 9406649733

जातिगत जनगणना एक ऐसा विषय है जो भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है। यह न केवल सामाजिक संरचना को समझने का एक उपकरण है, बल्कि नीति निर्माण और संसाधन वितरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जातिगत जनगणना को एक ऐसे उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए जो सामाजिक न्याय को बढ़ावा दे, न कि समाज को विभाजित करे। यदि इसे सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत को एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की ओर ले जा सकता है।

जातिगत जनगणना का इतिहास भारत में औपनिवेशिक काल से शुरू होता है। भारत में पहली बार व्यापक जनगणना 1881 में ब्रिटिश शासन के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें जाति के आधार पर भी आंकड़े एकत्र किए गए। यह प्रक्रिया 1931 तक नियमित रूप से हर दस साल में दोहराई गई। 1931 की जनगणना में विभिन्न जातियों और उपजातियों की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई, जो आज भी कई नीतियों और आरक्षण प्रणालियों के लिए आधारभूत डेटा के रूप में उपयोग की जाती है। उदाहरण के लिए, 1931 के आंकड़ों के आधार पर ही मंडल आयोग ने 1980 में अन्य पिछड़ा वर्ग (जइउ) के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी।

वर्ष 1941 की जनगणना में भी जाति आधारित आंकड़े एकत्र किए गए, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य प्रशासनिक कारणों से इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। आजादी के बाद, 1951 की जनगणना में भारत सरकार ने जातिगत आंकड़े एकत्र करने को बंद करने का निर्णय लिया। तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का मानना था कि जातिगत जनगणना सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचा सकती है और राष्ट्रीय एकता के लिए यह हानिकारक हो सकती है। इस निर्णय के बाद, केवल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आंकड़े एकत्र किए जाने लगे, जबकि अन्य जातियों के लिए कोई अलग डेटा संग्रह नहीं किया गया।

हालांकि, समय के साथ सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को दूर करने और नीति निर्माण में सटीक डेटा की आवश्यकता ने जातिगत जनगणना की मांग को फिर से प्रबल किया। 2011 में, यूपीए सरकार ने सामाजिक– आर्थिक और जातिगत जनगणना (एसईसीसी) आयोजित की, जो 1931 के बाद पहली बार जाति आधारित डेटा संग्रह का प्रयास था। लेकिन इस सर्वेक्षण के आंकड़े पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किए गए, और इसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे।

हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बिहार में 2023 में आयोजित जाति आधारित सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को फिर से राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। बिहार सरकार ने इस सर्वेक्षण को दो चरणों में पूरा किया, जिसमें पहले चरण में घरों की गिनती और दूसरे चरण में जातियों के आंकड़े एकत्र किए गए। केंद्र सरकार ने शुरू में इस सर्वेक्षण का विरोध किया, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया। 2025 में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे, जिसे कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स (सीसीपीए) ने मंजूरी दे दी है।

जातिगत जनगणना के समर्थक इसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण उपकरण मानते हैं। जातिगत जनगणना से विभिन्न जाति समूहों की शिक्षा, रोजगार, आय और संपत्ति के वितरण में असमानताओं का सटीक आकलन किया जा सकता है। यह डेटा नीति निर्माताओं को उन समुदायों की पहचान करने में मदद करता है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से सबसे अधिक हाशिए पर हैं। उदाहरण के लिए, बिहार के 2023 सर्वेक्षण ने दिखाया कि 84 प्रतिशत आबादी सामाजिक–आर्थिक रूप से हाशिए पर है, जिसने नीति निर्माण में नए दृष्टिकोण को जन्म दिया।

सटीक जाति आधारित डेटा के आधार पर सरकारें विशिष्ट समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष जाति समूह में शिक्षा का स्तर बहुत कम है, तो उनके लिए विशेष शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। जातिगत जनगणना से यह स्पष्ट हो सकता है कि किन क्षेत्रों या समुदायों में संसाधनों की अधिक आवश्यकता है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जा सकता है जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। वर्तमान में ओबीसी आरक्षण 1931 के आंकड़ों पर आधारित है, जो अब पुराने और अप्रासंगिक हो चुके हैं। जातिगत जनगणना से नया डेटा मिलेगा, जिसके आधार पर आरक्षण कोटे को समायोजित किया जा सकता है। जातिगत जनगणना शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान डेटाबेस प्रदान कर सकती है, जिससे सामाजिक गतिशीलता, असमानता और विकास के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन संभव हो सकता है। जातिगत जनगणना से वंचित समुदायों को उनकी स्थिति सुधारने का अवसर मिलेगा, जिससे सामाजिक एकता मजबूत होगी और लोकतंत्र में उनकी हिस्सेदारी बढ़ेगी।

जातिगत जनगणना के विरोधी इसे सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से हानिकारक मानते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जातिगत जनगणना से समाज में जातिगत तनाव और ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर समूहों में बांट सकता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाती है, जिसके दुरुपयोग की आशंका रहती है। यदि यह डेटा गलत हाथों में पड़ता है, तो यह सामाजिक भेदभाव को और बढ़ा सकता है।

भारत में हजारों जातियां और उपजातियां हैं, जिनका सटीक आंकड़ा एकत्र करना एक जटिल और महंगा कार्य है। इससे सरकारी बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है।जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न समुदाय आरक्षण की नई मांगें उठा सकते हैं, जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50% आरक्षण की सीमा पहले ही कई राज्यों में चुनौती का विषय है। जातिगत जनगणना जाति व्यवस्था को और मजबूत कर सकती है, क्योंकि यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के प्रति और अधिक जागरूक करेगी। इससे आधुनिक लोकतंत्र के 'सार्वभौमिक नागरिक बोध' को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना का डेटा राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति के लिए दुरुपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय दल विशेष रूप से इसका उपयोग अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए कर सकते हैं।

वर्ष 2025 में केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना को अगली राष्ट्रीय जनगणना में शामिल करने के फैसले ने इस मुद्दे को नया आयाम दिया है। यह निर्णय बिहार जैसे राज्यों में हुए सर्वेक्षणों और विपक्षी दलों की लगातार मांगों के दबाव में लिया गया है। बिहार के 2023 सर्वेक्षण ने दिखाया कि कैसे जाति आधारित डेटा नीति निर्माण में उपयोगी हो सकता है, लेकिन इसने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव को भी उजागर किया। विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है। एक ओर, यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। यह उन समुदायों को मुख्यधारा में लाने में मदद कर सकता है जो ऐतिहासिक रूप से वंचित रहे हैं। दूसरी ओर, इसके गलत उपयोग से सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और जातिगत पहचान को और मजबूत करने का खतरा है।

जातिगत जनगणना भारत जैसे विविध और जटिल समाज में एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसका इतिहास औपनिवेशिक काल से शुरू होकर आज के आधुनिक भारत तक फैला हुआ है, जहां यह सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। इसके लाभ, जैसे कि नीति निर्माण, संसाधन आवंटन और सामाजिक समानता, इसे एक आवश्यक उपकरण बनाते हैं। हालांकि, इसके नुकसान, जैसे कि सामाजिक विभाजन, डेटा दुरुपयोग और प्रशासनिक चुनौतियां, इसे विवादास्पद बनाते हैं। इसलिए, जातिगत जनगणना को लागू करने से पहले कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। पहला, डेटा संग्रह की प्रक्रिया को पारदर्शी और गोपनीय बनाया जाना चाहिए ताकि व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन न हो। दूसरा, आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त कानूनी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। तीसरा, जनगणना के परिणामों को केवल सामाजिक कल्याण और नीति निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारतीय वायुसेना के विमान से वियतनाम पहुंचे

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के सारनाथ में एक विहार में रखे गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वियतनाम द्वारा आयोजित संयुक्त राष्ट्र दिवस वेसाक के भव्य समारोह के दौरान एक प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना के विमान से शुक्रवार को हो ची मिन्ह सिटी पहुंचे।

सरकार ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय अल्पसंख्यक मामले और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, आंध्र प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री कंडुला दुर्गेश, भारत के प्रतिष्ठित भिक्षु और वरिष्ठ अधिकारी पवित्र अवशेषों के साथ थे, जिन्हें विशेष विमान से ले जाया गया।

रिजिजू वियतनाम में सरकारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए वियतनाम पहुंचा। वियतनाम सरकार और वियतनाम बौद्ध संघों द्वारा भव्य औपचारिक स्वागत किया गया। पवित्र अवशेष संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस समारोह के लिए दो से 21 मई 2025 तक वियतनाम में रहेंगे।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह यात्रा छह से आठ मई तक वियतनाम द्वारा आयोजित किए जा रहे संयुक्त राष्ट्र (यूएन) वेसाक दिवस समारोह के तहत में हो रही है।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को गाजियाबाद स्थित हिंडन एयर बेस से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान द्वारा वियतनाम पहुंचाया गया, जो इसे राज्य अतिथि का दर्जा प्रदान करता है।

पवित्र अवशेषों को बुधवार को औपचारिक रूप से दिल्ली लाया गया और कुछ घंटों के लिए प्रार्थना के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय के विशेष संरक्षित क्षेत्र में रखा गया।

सफाई

नई दिल्ली में भारी बारिश के बीच रेड क्रॉस भवन के बाहर पानी साफ करते कर्मचारी।

वेव्स भारत सरकार की एक खूबसूरत पहल : हेमा मालिनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद हेमा मालिनी ने विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) की प्रशंसा करते हुये कहा कि यह भारत सरकार की एक खूबसूरत पहल है और उन्हें इसका हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। मुंबई के प्रतिष्ठित जियो वर्ल्ड सेंटर में गुरुवार को पहली बार वेव्स की भव्य शुरुआत हुई, जिसमें एक दमदार पैनल चर्चा हुई, जिसका शीर्षक लीजेंड्स एंड लेगेसीज: द स्टोरीज दैट शेप्ड इंडियाज सोल था। इस सत्र में भारत में सिनेमा के कुछ सबसे प्रतिष्ठित प्रतिरूप कहानी कहने, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत पर एक आकर्षक चर्चा में एक साथ आए। उद्घाटन पैनल में हेमा मालिनी, मोहनलाल और चिरंजीवी शामिल थे, और इसका संचालन सुपरस्टार अक्षय कुमार ने किया। इस मौके पर, हेमा मालिनी ने इस पहल की दिल से प्रशंसा करते हुए कहा, यह भारत सरकार की एक सुंदर पहल है। मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूँ। प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद। उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने वेव्स को रचनाकारों और नवोन्मेषकों के लिए एक उल्लेखनीय मंच बना दिया है।

प्रसिद्ध मलयालम अभिनेता मोहनलाल ने सिनेमा की विकसित प्रकृति पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि कला सिनेमा और मनोरंजन सिनेमा के बीच की रेखा बहुत पतली है क्योंकि कला फिल्मों में मनोरंजन का मूल्य भी होता है। उन्होंने कहा, मैं कला और व्यावसायिक सिनेमा के बीच अंतर नहीं करता। यह कहानी है जो लोगों को प्रभावित करती है। दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी ने अपने सिनेमाई सफ़र पर दिल से अपनी बात साझा की, जो गहरे जुनून और उत्कृष्टता की निरंतर खोज से चिह्नित है। अपनी शुरुआती आकांक्षाओं को याद करते हुए उन्होंने कहा, बचपन से ही अभिनय मेरा पहला प्यार रहा है। मैं हमेशा लक्ष्य पर निशाना साधने की इच्छा से प्रेरित था। मैं हमेशा खुद से पूछता था– एक बेहतर अभिनेता बनने के लिए मैं क्या अनोखा तत्व ला सकता हूं। चिरंजीवी ने प्रामाणिकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए ज़मीन से जुड़े रहने और लोगों से जुड़े रहने की गहरी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं हमेशा चाहता था कि दर्शक मुझे पड़ोस के लड़के के रूप में देखें। इसलिए मैं अपने प्रदर्शन को यथासंभव स्वाभाविक और वास्तविक रखने का प्रयास करता हूं।

सभ्यता का उद्गम स्थल भारत का वक्त एक बार फिर आयाः नीता अंबानी

मुंबई/भाषा। जियोस्टार की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने शुक्रवार को कहा कि भारत सभ्यता का उद्गम स्थल है और देश का वक्त एक बार फिर आ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि नीता मुकेश अंबानी

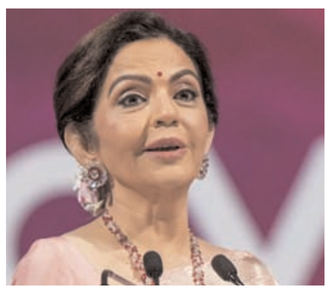

संस्कृति केंद्र इस सितंबर में न्यूयॉर्क के लिंकन सेंटर में भारतीय सप्ताहांत का आयोजन करेगा। इसमें भारत की कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

जियो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित वेव्स 2025 कार्यक्रम में नीता अंबानी ने कहा कि भारत एक 'सनातन सभ्यता' है, जिसने दुनिया को सत्य, अहिंसा और विनम्रता के स्थायी आदर्श दिए हैं।

भारत के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी ने कहा, सदियों से भारत ने दुनिया को अपनी बुद्धि, अपनी सुंदरता और अपनी आत्मा का उपहार दिया है, लेकिन कहीं न कहीं हमारी आवाज नरम पड़ गई। हालांकि, अब यह फिर से उभर रही है।

अंबानी ने कहा, हम सभ्यता के उद्गम स्थल हैं। हम एक ऐसी सांस्कृतिक शक्ति हैं, जिसका समय फिर आ गया है। उन्होंने कहा कि कुछ सभ्यताएं अपनी शक्ति और ताकत से कहानी कहती हैं, जबकि भारत ने हमेशा अपनी कहानी आत्मा से कही है।

अंबानी ने कहा कि संस्कृति समय में जमी हुई स्मृति नहीं है, बल्कि एक जीवंत वास्तविकता है, जो नदी की तरह बहती है और उपवन की तरह बढ़ती है।

अंबानी ने कहा कि भारत में प्राचीनता के साथ आधुनिकता प्रतिस्पर्धा नहीं करती, बल्कि सामंजस्यपूर्ण ढंग से सह–अस्तित्व में रहती है। उन्होंने कहा कि हम अपनी समानताओं को संजोते हैं और अपने मतभेदों का जश्न मनाते हैं और अपने विरोधाभासों को शालीनता से रखते हैं।

उपनिवेशवाद ने बहुलवाद को दबा दिया, परंपराओं को महत्व देने की जरूरत है : जयशंकर

मुंबई/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अतीत में बड़ी शक्तियों के प्रभुत्व एवं उपनिवेशवाद ने बहुलवाद को दबा दिया था तथा वैश्विक व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाने के प्रयासों के बीच परंपराओं, विरासत एवं विचारों को महत्व देना आवश्यक है।

जयशंकर ने यहां 'विश्व दृश्य श्रव्य और मनोरंजन सम्मेलन' (वेव्स) में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ 'ग्लोबल मीडिया डायलॉग' को संबोधित करते हुए प्रतिभाओं के लिए सहज गतिशीलता सुनिश्चित करने की भी जोरदार वकालत की ताकि वे रचनात्मकता में और योगदान दे सकें। जयशंकर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग की अपार संभावनाओं को भी रेखांकित किया और कहा कि ''प्रौद्योगिकी और परंपरा को साथ–साथ चलना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव के बीच विदेश मंत्री ने आगाह किया कि उभरती प्रौद्योगिकियों का गैर–जिम्मेदाराना उपयोग बढ़ती चिंता का विषय होगा और पूर्वाग्रह को कम करना, विषय–वस्तु का लोकतंत्रीकरण करना तथा इसकी नैतिकता को प्राथमिकता देना, ये सभी उभरते विमर्श का हिस्सा होंगे।

जयशंकर ने 60 देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा, सच्चाई यह है कि दुनिया मूलतः, कुदरती रूप से और अनिवार्य रूप से विविधतापूर्ण है तथा अतीत में उपनिवेशवाद और बड़ी शक्तियों के प्रभुत्व दोनों ने बहुलवाद को दबा दिया है। उन्होंने कहा, चूंकि हम अब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का लोकतंत्रीकरण करना चाहते हैं, ऐसे में केवल राजनीतिक और आर्थिक स्वतंत्रता पर जोर देना पर्याप्त नहीं है। यह भी उतना ही आवश्यक है कि हम अपनी परंपराओं, अपनी विरासत, विचारों, प्रथाओं और अपनी रचनात्मकता को महत्व दें।

जयशंकर ने कहा कि दुनिया में कई आवाज, कई अनुभव और कई सत्य हैं और हर किसी को खुद को अभिव्यक्त करने का अधिकार है तथा ऐसा करने में उनकी मदद की जानी चाहिए।

मंत्री ने अभिव्यक्ति के अधिकार को सुगम बनाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इसके अनुप्रयोग और विकास में, हमें इस विश्वास से निर्देशित होना चाहिए कि आधुनिकता अतीत की अस्वीकृति नहीं है, बल्कि मानवीय उपलब्धियों पर आधारित एक निरंतर खोज है। इस कारण से, प्रौद्योगिकी और परंपरा को साथ–साथ चलना चाहिए। जयशंकर ने कहा, हमें यह भी ध्यान में रखना है कि नवाचार उस छलांग के लिए महत्वपूर्ण है जिससे 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण होगा – जिसे हम विकसित भारत कहते हैं।

'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर 'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर, विक्रांत मैसी के अपोजिट फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली है। फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट है, जिसका एक कारण शनाया कपूर भी हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और मिनी फ़िल्म्स द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म को मानसी बागला और वरुण बागला ने प्रोड्यूस किया है, और फिल्म को संतोष सिंह ने निर्देशित किया है। इसकी कहानी निरंजन अय्यंगर और मानसी बगला ने लिखी है। इसका संगीत विशाल मिश्रा ने दिया है।

'द भूतनी' की रिलीज के बाद बप्पा के दरबार पहुंची पलक तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पलक तिवारी की हॉरर–कॉमेडी 'द भूतनी' गुरुवार को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 60 लाख से ज्यादा की कमाई की। मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची पलक ने बप्पा के दर्शन किए। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर पलक ने कैप्शन में ओम लिखा। पहली तस्वीर में वह नारंगी रंग के सूट सलवार के साथ माथे पर दुपट्टा ओढ़े नजर आईं। टीका लगाए वह मंदिर में हाथ जोड़े भक्ति में लीन दिखाई दीं। तस्वीरों के साथ पलक ने साल 2012 में आई प्रियंका चोपड़ा जोनास और ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म 'अग्निपथ' के गाने देवा श्री गणेशा को भी जोड़ा। 'द भूतनी' में उनके साथ अभिनेता संजय दत्त, सनी सिंह और मौनी रॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में मौनी ने एक चुड़ैल का किरदार निभाया है। 'द भूतनी' को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म जी स्टूडियो के साथ 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। हाल ही में पलक तिवारी ने 'द भूतनी' के सेट से जुड़ा एक खूबसूरत किस्सा सुनाया था। पलक ने बताया कि उन्होंने और निर्देशक सिद्धांत सचदेव ने फिल्म 'द भूतनी' की शूटिंग के दौरान एक कुत्ते को गोद लिया था। पलक तिवारी ने बताया कि फिल्म के सेट पर शरारतें, हंसी–मजाक और नॉनस्टॉप मस्ती का माहौल रहता था।

सिद्धांत सर और मैंने शूटिंग के दौरान एक कुत्ते के बच्चे को गोद लिया और हमारा उस प्यारे, सुंदर पिल्ले से लगाव हो गया। वह जल्दी ही सेट पर सभी का दुलारा बन गया। वह शॉट्स के बीच घूमता रहता, सीन के बीच में आकर उसे बाधित करता और कलाकारों और क्रू के के साथ खूब मस्ती करता था। हालांकि, शेड्यूल के अंत में उसकी मौत हो गई। उसकी मौत से पूरी टीम दुखी हो गई थी। पलक तिवारी की पहली फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' थी, एक्शन कॉमेडी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। यह फिल्म 2014 की तमिल फिल्म वीरम की रीमेक है, जिसमें पूजा हेगड़े, वेंकटेश, शहनाज गिल, जगपति बाबू, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, मालविका शर्मा और राघव जुयाल भी हैं।

फिल्म राम-लीला ने मेरी ज़िंदगी बदल दी : अकांक्षा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अकांक्षा शर्मा का कहना है कि फिल्म रामलीला देखने के बाद उनकी जिंदगी बदल गयी। केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित पीरियड फिल्मों में से एक है। अपनी हिंदी सिनेमा की पहली फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में, आकांक्षा ने एक जबरदस्त पहली झलक से दर्शकों को चौंका दिया है, जहां वह 'राजल' के किरदार में एक निडर और वीरांगना योद्धा के रूप में नजर आ रही हैं। अकांक्षा ने बताया , मैं एक बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आती हूं। मेरा फिल्मों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं बारहवीं कक्षा में थी। बोर्ड की तैयारी कर रही थी, तभी मैंने राम–लीला देखी और वहीं से सब कुछ बदल गया। तभी मुझे एहसास हुआ कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। मैंने कभी ये सपना देखा नहीं था, लेकिन उस फिल्म को देखकर मेरे अंदर कुछ जल उठा। और अब, मैं यहां हूं, अपनी डेब्यू फिल्म के साथ। मैं खुद को बहुत ही खुशकिस्मत और आभारी मानती हूं कि मुझे राजल जैसा किरदार निभाने का मौका मिला ,जिसकी लड़ाइयां सिर्फ मैदान में नहीं, बल्कि उसके भीतर भी थीं। अकांक्षा अगली बार तेरा यार हूं मैं में नज़र आएंगी, जिसमें उनके साथ अमन इंद्र कुमार हैं। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप ज़वेरी कर रहे हैं। इसके अलावा वह मिलाप ज़वेरी की ही एक और अनटाइटल्ड एक्शन–कॉमेडी फिल्म में भी दिखेंगी।

'एकाकी' से वेब सीरीज में एंट्री करेंगे आशीष चंचलानी

मुंबई/एजेन्सी

डिजिटल स्टार आशीष चंचलानी वेब सीरीज़ 'एकाकी' के साथ डेब्यू कर रहे हैं। आशीष चंचलानी अब लॉन्ग फॉर्मेट की स्टोरीटेलिंग की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। वह जल्द ही अपनी मच अवेटेड वेब सीरीज़ 'एकाकी' के साथ डेब्यू करने वाले हैं, जो एक सुपरनैचुरल थ्रिलर है। इस सीरीज़ में हॉरर और कॉमेडी का ऐसा यूनिक मेल देखने को मिलेगा, जैसा आशीष अपने गेम–चेंजिंग कंटेंट के जरिए पहले भी दिखा चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ अलग, कुछ नया पेश करने का वादा है। पोस्टर भी काफी दिलचस्प है, अंधेरे में लालटेन लिए खड़े आशीष चंचलानी के चारों ओर फैले डरावने हाथ एक रोमांचक कहानी की झलक देते हैं। डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में आशीष, जो कि इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कंटेंट क्रिएटर्स में गिने जाते हैं, अब एक ऐसी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं जो वाकई गेम–चेंजर साबित हो सकती है।

इस सीरीज के जरिए आशीष न सिर्फ एक्टिंग बल्कि निर्देशन और प्रोडक्शन में भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'एकाकी' की शानदार कास्ट में आकाश डोडेजा, हर्ष राणे, सिद्धांत सरफरे, शशांक शेखर, रोहित साधवानी और ग्रिशिम नवानी शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट एसीभी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

वेव्स भारत के लिए क्रिएटिव कॉन्टेंट में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड बनेगा : अल्लू अर्जुन

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार अल्लू अर्जुन ने कहा कि वेव्स भारत के लिए क्रिएटिव कॉन्टेंट में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड बनेगा। आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन गुरूवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में शामिल हुए। उन्होंने टीवी9 के सीईओ और एमडी बरुण दास द्वारा संचालित 'सीमाओं से परे प्रतिभा' (टैलेंट बियॉन्ड बॉर्डर्स) के विषय पर बात की। यह बहुप्रतीक्षित 'इन कन्वर्सेशन' सत्र स्टारडम, सर्वाइवल और सोल पर बातचीत का एक मूल्यवान मास्टरक्लास रहा। अल्लू अर्जुन ने वेव्स समिट की सराहना करते हुए कहा कि यह स्टोरी टेलिंग के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, भारत हमेशा से जीवंत रहा है। अब हमारे पास एक मंच है। मेरा मानना है कि वेव्स भारत के लिए क्रिएटिव कॉन्टेंट में दुनिया का नेतृत्व करने के लिए एक लॉन्चिंग पैड बनेगा।

अल्लू अर्जुन ने एक जीवन–बदलने वाली दुर्घटना के बारे में बताया, जिसके कारण उन्हें छह महीने तक फिल्मों से दूर रहना पड़ा था। उन्होंने कहा, वह विराम जीवन में एक आशीर्वाद की तरह आया। इसने मुझे स्टंट से हटकर विषय के सार की ओर अपना ध्यान केन्द्रित करने के लिए प्रेरित किया। मुझे एहसास हुआ कि जैसे–जैसे आपका शरीर कमजोर पड़ता है, वैसे–वैसे आपकी निपुणता भी बढ़ती जाएगी। और फिर अभिनय मेरा नया क्षेत्र बन गया। अल्लू अर्जुन ने निर्देशक एटली के साथ अपनी आगामी परियोजना की पुष्टि करते हुए इसे भारतीय भावनाओं पर आधारित एक विजुअल स्पेक्टेकल बताया। उन्होंने उत्साहपूर्ण अभिव्यक्ति से कहा, हम अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी को देसी सोल के साथ मिला रहे हैं। भारत के लिए और भारत से दुनिया के लिए एक फिल्म। अल्लू अर्जुन ने कहा, हर भाषा में अब असाधारण प्रतिभावान युवा अभिनेता उभर रहे हैं। उन्होंने सलाह दी, आपको प्रामाणिक बने रहना चाहिए, प्रेरित रहना चाहिए और बहुमुखी प्रतिभावान होना चाहिए। यह सिर्फ एक इंटस्ट्री नहीं है, यह रचनात्मकता, मजबूत क्षमता और लगातार विकास का एक रण क्षेत्र है। अल्लू अर्जुन ने अपने परिवार के प्रतिष्ठित और सम्मानित सदस्यों, अपने दादा अल्लू रामलिंगैया, अपने पिता और जाने–माने निर्माता अल्लू अरविंद तथा अपने चाचा चिरंजीवी जो आजीवन उनके प्रेरणास्रोत रहे हैं, के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) के साउथ व नार्थ चैप्टर द्वारा चार दिवसीय जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग-2025 का शुभारंभ गुरुवार को जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में हुआ।

गर्मियों का ग्लैमर: हाई लाइफ प्रदर्शनी में आई ट्रेंड्स की बहार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। फैशन, स्टाइल और लक्जरी के अनूठे संगम हाई लाइफ प्रदर्शनी का आगाज शुक्रवार को यहां द ललित अशोक में हुआ। यह 4 मई तक जारी रहेगी। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में गर्मियों के ट्रेंड्स और ग्लैमर का जादू छाया हुआ है। सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलने वाली यह प्रदर्शनी फैशन प्रेमियों के लिए किसी जश्न से कम नहीं है।

हाई लाइफ प्रदर्शनी में हर उम्र और पसंद के लिए कुछ खास है। हल्के और रंग-बिरंगे परिधान से लेकर स्टेटमेंट ज्वेलरी, डिजाइनर साड़ियां, लहंगे और कस्टम-मेड परिधान तक, यहां हर चीज मौजूद है। इसके अलावा शादीशुदा जोड़ों के लिए ब्राइडल कलेक्शन, पुरुषों के लिए एथनिक वेयर, बच्चों के कपड़े और फेस्टिव राखी जैसे गिफ्टिंग ऑप्शन्स भी उपलब्ध हैं।

यहां सिर्फ फैशन नहीं, बल्कि लक्जरी होम डेकोर, हैंडमेड सोप्स, पेंटिंग्स, म्यूरल्स, रग्स, और फर्नीचर जैसे उत्पाद भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं। स्किन केयर, हेयर केयर, नेल आर्ट और स्पा एसेंशियल्स के स्टॉल्स भी आकर्षण के केंद्र हैं। सोने, चांदी, डायमंड और सेमी-प्रेशियस स्टोन्स से बनी ज्वेलरी के साथ बैग्स, क्लचेस और हेयर एक्सेसरीज भी खरीदारों को लुभा रही हैं। आयोजकों के अनुसार, यह प्रदर्शनी न केवल स्टाइल को नया आयाम दे रही है, बल्कि क्रिएटिविटी और क्राफ्ट्समैनशिप का भी जश्न मना रही है। बेंगलूरुवासियों के लिए यह एक सुनहरा मौका है कि वे अपनी गर्मियों की वॉर्डरोब को तरोताजा करें और घर को नया लुक दें।

मायुम बेंगलूरु ने गांधी वृद्धाश्रम में वाटर कूलर डिस्पेंसर लगाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच (मायुम) बेंगलूरु ने मागड़ी रोड़ स्थित गांधी वृद्धाश्रम में स्थाई प्याऊ अभियान के तहत एक वाटर कूलर डिस्पेंसर लगाया और उसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल परिवार द्वारा वृद्धाश्रम के सभी निवासियों को नाश्ता कराया गया। कार्यक्रम की संयोजिका किशिका सराफ ने बताया कि इस मौके पर मंच के अनेक सदस्य अपने परिवार जनों के साथ उपस्थित थे जिन्होंने अपने हाथों से मानवसेवा की। अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने सभी सदस्यों से अपने जन्मदिन और वर्षगांठ जैसे अवसरों को वृद्धाश्रम व अनाथाश्रम में मनाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में मायुम के संस्थापक सदस्य गंगाधर मोर, पंकज जालान, पवन राजलीवाल, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, रूपेश केडिया, लोकेश सांखला, अरुण शर्मा, अमित मोदी, गौरव रूंगटा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सहसचिव सोनू शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

अच्छे कर्म के लिए बुरे कार्यों से बाहर निकलना नितांत आवश्यक : आचार्य अरिहंतसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम स्थानक में विराजित आचार्यश्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजीजी ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि श्रावक को पुण्य प्राप्ति के लिए 18 पापस्थानों का निषेध जरूरी है। अच्छे, शुभ एवं जनहित के कार्य निस्वार्थ भाव से करने पर ही पुण्य उपार्जन का फल मिलता है। साधु संतों की सेवा करने से उत्कृष्ट लाभ मिलता है।

आचार्यश्री ने कहा कि जिस प्रकार भगवान महावीर स्वामी ने चंडकौशिक सर्प को उत्कृष्ट भाव से क्षमा प्रदान की थी, उसी प्रकार हमें भी जीवन में क्षमा का भाव रखना चाहिए। क्षमा के पांच प्रकार है, उपकारी, अपकारी, विपाक, वचन एवं स्वभाव क्षमा। क्षमा भाव से ही व्यक्ति का अहंकार कम होता है, अन्यथा व्यक्ति ईर्ष्या की आग में जलकर अपने कर्मों का पिटारा भर देता है एवं जन्म जन्मातंर दुखी अवस्था में रहता है। अच्छे कर्म के लिए बुरे कार्यों से बाहर निकलना नितांत आवश्यक है।

'परमात्मा की आज्ञा पालन करना ही मानव जीवन का सच्चा धर्म है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में विराजित मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्यश्री मनीषप्रभसागरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि शरीर हमारा सहयोगी है जो हमें मोक्ष तक पहुंचा सकता है। शरीर के साथ मन जुड़ा हुआ है जो हमें नरक में भी ले जा सकता है और उत्तम गति में भी पहुंचा सकता है। मुनिश्री ने कहा कि शरीर हमारा सिर्फ श्मशान तक ही साथ दे पाएगा। मन को हमें आत्मा से जोड़ना है। धर्म की सच्ची परिभाषा के संदर्भ में परमात्मा की आज्ञा ही धर्म है। हमारा आचरण, व्यवहार और क्रिया परमात्मा की आज्ञा के अनुरूप होना चाहिए। धर्म की दूसरी परिभाषा जयणा(अहिंसा) का पालन करना है। जयणापूर्वक बनाया हुआ आहार ही हमें ग्रहण करना चाहिए। हम जैसा अन्न ग्रहण करेंगे, वैसा ही हमारा मन होगा। शरीर में रही हुई बीमारियां हमें यही बताती हैं कि शरीर अलग है और हमारी आत्मा अलग है, हमें अपने आत्म भावों में ही रमण करना है। उन्होंने कहा कि शरीर के प्रति हमारी आसक्ति कम होगी तो हमारा आत्मबल पुष्ट होगा और मन में वैराग्य पैदा होगा। हमारी सम्पत्ति भी हमारे घर तक ही साथ चलेगी। हमारी आत्मा के साथ हमारी साधना ही चलेगी। परिवार और रिश्तेदार भी हमारे साथ सिर्फ श्मशान तक ही चलेंगे।

एक सिर्फ आत्मा ही है जो कल भी हमारी थी, आज भी हमारी है और मोक्ष प्राप्ति तक हमारी ही रहेगी और वही हमारे साथ चलेगी। हमें स्व और पर का भेद करना चाहिए। हमने अभी तक स्व को पर माना है और पर को स्व माना है, लेकिन जिस दिन स्व और पर का भेद मिटेगा उसी दिन हमें आत्मा का सच्चा सुख महसूस होगा।

पहलगाम हमला: ब्रिटेन ने संयमित दृष्टिकोण अपनाने और तनाव कम करने की अपील की

लंदन/भाषा। ब्रिटेन ने पहलगाम में पिछले सप्ताह हुए घृणित आतंकवादी हमले के बाद तनाव कम करने का आग्रह करते हुए सभी संबंधित पक्षों से संयमित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।

ब्रिटिश संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में एक अत्यावश्यक प्रश्न के बाद, इस सप्ताह हाउस ऑफ लॉर्ड्स में कश्मीर: बढ़ता तनाव के मुद्दे पर बहस हुई, जिसमें विभिन्न दलों के सदस्यों ने भयानक हमले की निंदा की और क्षेत्र में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर लेबर पार्टी सरकार का रुख जानना चाहा। ब्रिटेन में आतंकवाद विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई भड़काऊ घटनाओं का मुद्दा भी सदन में उठाया गया, जिससे भारतीय और पाकिस्तानी प्रवासियों के बीच सामुदायिक संबंधों को लेकर निचले सदन में जताई गई आशंकाएं भी प्रतिध्वनित हुईं।ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के मंत्री लॉर्ड रे कोलिन्स ने सरकार की ओर से बताया, रविवार को विदेश मंत्री (डेविड लैमी) ने भारतीय विदेश मंत्री और पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री दोनों से बात की। हम सभी पक्षों को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा, हम सभी अंतरराष्ट्रीय संगठनों से तनाव कम करने और (तनावपूर्ण) स्थिति को सामान्य करने के लिए उचित बातचीत करने का आग्रह कर रहे हैं... हम जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान ने कहा है कि वे कुछ कूटनीतिक संधियों को स्थगित रखेंगे। हम दोनों राज्यों में जमीनी स्तर पर इसके प्रभाव की निगरानी करना जारी रखेंगे। सभी पक्षों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के लिए सिंधु नदी प्रणाली की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए काम करना महत्वपूर्ण है, और हम यह आग्रह करना जारी रखेंगे।

ब्रिटिश भारतीय कंजर्वेटिव सांसद बैरोनेस सैंडी वर्मा ने मंत्री से लंदन में देश के उच्चायोग के बाहर एक पाकिस्तानी राजनयिक द्वारा भारतीय प्रदर्शनकारियों को लेकर गला काटने के इशारे करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ब्रिटेन के लिए यह बहुत उपयोगी होगा कि वह यह स्पष्ट संकेत दे कि इशारों से हिंसा भड़काना स्वीकार्य नहीं है। हम जानना चाहेंगे कि ब्रिटेन सरकार क्या करेगी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कार्रवाइयों का उद्देश्य समुदायों को विभाजित करना है। लॉर्ड कॉलिन्स ने कहा, इसीलिए हमें सकारात्मक तरीके से प्रतिक्रिया देनी होगी... हम बर्बरता की किसी भी घटना की निंदा करते हैं और प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण और कानून का पालन करते हुए विरोध करने का आह्वान करते हैं। हम सभी से स्थिति को शांत करने का आग्रह करते हैं। हम सभी स्तरों पर, कूटनीतिक रूप से और स्थानीय समुदाय के नेताओं के साथ इस बारे में संवाद करेंगे।

लेबर पार्टी के सांसद लॉर्ड कृष रावल ने मंत्री से अनुरोध किया कि वे बताएं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई क्रूरता के बाद भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होना कैसा होगा।

चीन को डेटा हस्तांतरण के मामले में टिक टॉक पर 53 करोड़ यूरो का जुर्माना

लंदन/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) की गोपनीयता निगरानी संस्थाओं ने शुक्रवार को टिकटॉक पर 53 करोड़ यूरो (60 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। टिकटॉक के खिलाफ चार साल की जांच में पाया गया कि इस वीडियो शेयरिंग ऐप द्वारा चीन को डेटा हस्तांतरित करने से ईयू के सख्त डेटा गोपनीयता नियमों का उल्लंघन हुआ है। आयरलैंड के डेटा संरक्षण आयोग ने भी टिकटॉक पर उपयोगकर्ताओं के साथ इस बारे में पारदर्शिता नहीं रखने के लिए प्रतिबंध लगाया कि उनका व्यक्तिगत डेटा कहां भेजा जा रहा था। उसने कंपनी को छह महीने के भीतर नियमों का पालन करने का आदेश दिया। आयरिश राष्ट्रीय निगरानी संस्था 27 सदस्यीय ईयू में टिकटॉक के प्रमुख डेटा निजता नियामक के रूप में कार्य करती है। कंपनी का यूरोपीय मुख्यालय डबलिन में स्थित है।

डिप्टी कमिश्नर ग्राहम डॉयल ने एक बयान में कहा, टिकटॉक यह सत्यापित करने, गारंटी देने और प्रदर्शित करने में विफल रहा कि (यूरोपीय) उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा, जिन्हें चीन में कर्मचारियों द्वारा सुदूर तरीके से हासिल किया गया था, को अनिवार्य रूप से ईयू के भीतर गारंटीकृत सुरक्षा के बराबर स्तर दिया गया था।

जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग-2025 का हुआ शुभारंभ

देशभर से 360 खिलाड़ियों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) के साउथ व नार्थ चैप्टर द्वारा चार दिवसीय जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग-2025 का शुभारंभ गुरुवार को जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में हुआ। इस प्रतियोगिता में पूरे भारत से जीतो के 7 ज़ोन से, 24 चैप्टर की 24 टीमों के बीच 55 मुक़ाबला होंगे। इस आयोजन में लगभग 360 से अधिक खिलाड़ियों भाग ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत जीतो अपेक्स, ज़ोन और चैप्टर के पदाधिकारियों द्वारा ध्वजारोहण से हुई। जीतो नार्थ के महामंत्री विजय सिंघवी एवं व साउथ के महामंत्री नितिन लूनिया ने प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टूर्नामेंट के उद्घाटन सत्र में नार्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया व साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी टीमों व खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए खेल भावना से प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।

जीतो अपेक्स के स्पोर्ट्स चेयरमैन विक्की ओसवाल ने कहा कि बेंगलूरु जीतो ने समाज की खेल प्रतिभा को निखारने में अग्रणी भूमिका निभाई है। जीतो अपेक्स के महामंत्री ललित डाँगी, अपेक्स के उपाध्यक्ष कमलेश सोजातिया ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर आयोजित जीतो लिजेंड्स क्रिकेट प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों में पुरुष वर्ग में विमल कटारिया की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब जीता।

वहीं महिला वर्ग में बेंगलूरु नॉर्थ टीम विजयी रही। इस आयोजन में अरविंद दक व पदाधिकारियों द्वारा सभी टीमों की जर्सी का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रायोजकों का सम्मान किया गया। इस समारोह की शाम इण्डियन आइडियल की रनरअप गायिका प्रियांशी श्रीवास्तव ने गीत-संगीत के माध्यम से समाँ बांधा।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा 9 जून से नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाने वाला है जिसमें बेंगलूरु स्थित पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेज श्राइन सभागार में श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदूगुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज रामकथा का श्रवण करवाएंगे। इस आयोजन के लिए समिति के सुरेश मोदी, संजय अग्रवाल, मिथिलेश तिवारी एवं अजय पांडे ने गौसेवक महेंद्र मुणोत को कथा में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

देश की उन्नति के लिए राजनीति में धर्मनीति का समावेश हो : साध्वीश्री संयमलता

सांसद पी सी मोहन के निवास पर पहुंची जैन साध्वीश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वी संयमलताजी शुक्रवार को जयनगर से बनशंकरी की ओर विहार करते हुए सांसद पी सी मोहन के निवेदन पर उनके निवास पर पहुंचीं, जहां सांसद मोहन परिवार ने साध्वीश्री का स्वागत किया। इस मौके पर साध्वीश्री संयमलताजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि देश की उन्नति के लिए राजनीति में धर्मनीति का समावेश हो और देश, राष्ट्र और समाज में शांति लाने का प्रयास बना रहे, इसके साथ नैतिकता, सदभावना जैसे आयामों पर भी काम करते रहें। इस अवसर पर बेंगलूरु के पूर्व कमिश्नर एवं भाजपा नेता भास्कर राव ने भी साध्वीश्री के दर्शन किए। साध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने कहा कि दुनिया में तीन शक्तियां होती हैं, राजनीतिक शक्ति, आर्थिक शक्ति, धार्मिक शक्ति। जब राजनीतिक शक्ति के साथ धार्मिक शक्ति जुड़ जाए तो भारत एक विकसित एवं सरल देश बन सकता है।

इस अवसर पर हनुमंतनगर सभा के अध्यक्ष गौतम दक, सभा के मंत्री हेमराज मांडोत, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, अभातेयुप के गौतम खाब्या, तेयुप गांधीनगर के भरत रायसोनी सहित अन्य श्रावकों की उपस्थिति रही।

आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में पाकिस्तान के भारत के साथ सहयोग की उम्मीद: वेंस

न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने कहा है कि अमेरिका को उम्मीद है कि भारत पहलगाम आतंकवादी हमला मामले में इस तरह से कार्रवाई करेगा कि ''बड़ा क्षेत्रीय संघर्ष'' पैदा नहीं हो।

वेंस कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि पाकिस्तान भी अपनी सरजमीं से कभी-कभी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को पकड़ने में भारत के साथ ''सहयोग'' करेगा।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने जब ये हमला किया था तब वेंस और उनका परिवार भारत की चार दिवसीय यात्रा पर था। यह हमला 2019 में पुलवामा हमले के बाद सबसे भीषण आतंकवादी हमला है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com